ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 336 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
11 जून 2026 गुरुवार

आज का मौसम
40.2 अधिकतम
27.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

नटराजन के नामांकन रद्द पर सुप्रीम कोर्ट में कल सुनवाई

कोर्ट में चुनाव आयोग बोला- हमें याचिका की कॉपी ही नहीं मिली

कांग्रेस की मांग - सुनवाई के पहले चुनाव के नतीजे घोषित न किए जाएं

भोपाल/दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश से राज्यसभा सीट के लिए मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के खिलाफ कांग्रेस की याचिका पर सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी है। कोर्ट ने आज

कांग्रेस और चुनाव आयोग की दलीलें सुनने के बाद ऐसा कहा। इससे पहले सुनवाई के दौरान कांग्रेस के वकील अभिषेक मनु सिंघवी बोले- मामले पर आज ही सुनवाई की जरूरत है क्योंकि नामांकन वापसी के लिए दोपहर 3 बजे तक का ही समय है।

इस पर चुनाव आयोग ने कहा- हमें इस याचिका की कॉपी ही नहीं दी गई है। इसे पढ़ने के लिए समय की जरूरत है। इसके जवाब में सिंघवी बोले- सुनवाई भले ही कल हो जाए लेकिन तब तक रिजल्ट घोषित न किया जाए। इसके बाद अदालत ने कहा- ऐसे मामलों में कानून पहले से तय है। याचिका को कल के लिए सूचीबद्ध किया जाता है।

कांग्रेस ने ये याचिका बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात 1 बजकर 48 मिनट पर डिजिटल माध्यम से दायर की थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि रिटर्निंग ऑफिसर ने गैर-कानूनी, मनमाने और पक्षपातपूर्ण तरीके से फैसला किया है, इसे रद्द किया जाए।

न्याय में देरी क्यों : सिंघार

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टलने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- कांग्रेस को आज सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा। चुनाव आयुक्त चाहते तो कल इस बारे में निर्णय दे सकते थे। खारिज करना या स्वीकार करना, यह विशेष अधिकार चुनाव आयोग को है। हरियाणा में चुनाव आयोग ने हस्तक्षेप किया था, गुजरात में हस्तक्षेप किया था तो एमपी में क्यों नहीं किया?

मीनाक्षी के खिलाफ सियासी बिसात... भाजपा और कांग्रेस की संयुक्त पटकथा का नतीजा ?

मध्यप्रदेश की तीन राज्यसभा सीटों के लिए हुए चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज होना केवल एक कानूनी घटना थी या फिर इसके पीछे राजनीति की कोई गहरी पटकथा भी लिखी जा रही थी? यह सवाल अब कांग्रेस और भाजपा दोनों के गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मीनाक्षी नटराजन का नाम सामने आते ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दावा किया था कि भाजपा तीसरा उम्मीदवार भी उतारेगी और उसे जिताकर दिखाएगी। उस समय यह बयान राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रदर्शन लग रहा था, लेकिन बाद की घटनाओं ने इसे नया अर्थ दे दिया । दोपहर मेट्रो ने 5 जून को ही संकेत दिया था कि भाजपा तीसरे उम्मीदवार को मैदान में उतार सकती है और उसके पीछे कांग्रेस की आंतरिक परिस्थितियां भी अहम भूमिका निभा सकती हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राज्यसभा चुनाव केवल संख्या बल का खेल नहीं था, बल्कि कांग्रेस के भीतर नेतृत्व और भविष्य की राजनीति को लेकर चल रहे अंतर्विरोध भी इसमें सक्रिय थे। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ लंबे समय से दिल्ली की राजनीति में सक्रिय भूमिका की इच्छा रखते रहे हैं। दूसरी ओर, यह भी माना जा रहा था कि राहुल गांधी की पसंद के नेताओं में शामिल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को राज्यसभा भेजा जा सकता है। लेकिन अंतिम समय में कांग्रेस नेतृत्व ने मीनाक्षी नटराजन पर दांव लगाया। यहीं से राजनीतिक समीकरण बदलने लगे। भाजपा के प्रदेश संवाद प्रमुख आशीष

दोपहर मेट्रो स्पेशल

5 जून के अंक में प्रकाशित।

अग्रवाल का दावा है कि यदि जीतू पटवारी उम्मीदवार होते तो कांग्रेस के कई विधायक उनके खिलाफ मतदान करने को तैयार थे। हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इससे यह संकेत जरूर मिलता है कि कांग्रेस के भीतर असंतोष का स्तर कितना गहरा था। मीनाक्षी नटराजन के उम्मीदवार बनने के बाद भाजपा के लिए चुनौती अलग थी। इसी बीच उनके नामांकन पत्र में तेलंगाना की एक अदालत में लंबित मामले का उल्लेख नहीं होने का मुद्दा सामने आया। भाजपा ने इसी आधार पर आपत्ति दर्ज कराई और निर्वाचन अधिकारी ने नामांकन खारिज कर दिया। इस पूरे प्रकरण का सबसे दिलचस्प पहलू यह रहा कि भाजपा नेताओं ने सार्वजनिक रूप से दावा किया कि संबंधित दस्तावेज उन्हें कांग्रेस के ही किसी नेता ने उपलब्ध कराए थे। वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विश्वास सारंग और बाद में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भी इसी आशय के बयान दिए। हालांकि कांग्रेस ने इन आरोपों को स्वीकार नहीं किया है, लेकिन पार्टी के भीतर एक वर्ग यह मानने को तैयार नहीं है कि इतनी महत्वपूर्ण जानकारी भाजपा को बिना किसी अंदरूनी सहयोग के मिल सकती थी। यही कारण है कि कांग्रेस के भीतर अब यह चर्चा भी चल रही है कि कहीं मीनाक्षी नटराजन को रोकने और राहुल गांधी के निर्णय को गलत साबित करने के लिए कुछ नेताओं ने पर्दे के पीछे भूमिका तो नहीं निभाई? राजनीतिक गलियारों में यह सवाल लगातार पूछा जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम में कांग्रेस नेतृत्व की रणनीतिक चूक भी सामने आई। यदि पार्टी ने एक वैकल्पिक या डमी उम्मीदवार का नामांकन दाखिल कराया होता, तो मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज होने की स्थिति में भी उसके पास विकल्प मौजूद रहता। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद निर्वाचन आयोग के समक्ष विरोध प्रदर्शन और कानूनी लड़ाई की कोशिशें भी राजनीतिक नुकसान की भरपाई नहीं कर सकीं।

यह राज्यसभा चुनाव भाजपा के लिए एक अतिरिक्त सीट तक सीमित नहीं है। इसने कांग्रेस संगठन की निर्णय प्रक्रिया, नेतृत्व क्षमता और आंतरिक एकजुटता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। दूसरी ओर भाजपा ने यह दिखाया कि वह केवल अपने संख्या बल पर नहीं, बल्कि विपक्ष की कमजोरियों को पहचानकर उन्हें राजनीतिक अवसर में बदलने की क्षमता भी रखती है। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि मीनाक्षी नटराजन की राह में रोड़ा केवल कानूनी तकनीकी कारण बना या फिर इसके पीछे कांग्रेस और भाजपा की राजनीति का कोई ऐसा संगम था जिसकी परतें आने वाले दिनों में खुल सकती हैं।

12 वर्षों की राष्ट्रसेवा और समर्पण को नमन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का

प्रदेश के 8.5 करोड़ नागरिकों और

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से

हार्दिक आभार और अभिनंदन

आदरणीय प्रधानमंत्री जी,

सादर प्रणाम

भारतवर्ष के प्रधानमंत्री के रूप में आपके यशस्वी नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मध्यप्रदेश की समस्त जनता तथा अपनी ओर से आपको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ । आपके दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने विगत वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता, डिजिटल नवाचार, आधारभूत संरचना निर्माण तथा वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। आपके इस स्वर्णिम कार्यकाल की एक प्रमुख विशेषता, विश्व अर्थव्यवस्था के पटल पर भारत की अर्थव्यवस्था का प्रमुख विकास इंजन के रूप में उभरना रहा है। रूस यूक्रेन संकट में ऑपरेशन गंगा, कोविडकाल में वैक्सीन मैत्री, जी-20 की अध्यक्षता इन सभी में भारत एक वर्ल्ड लीडर के रूप में सामने आया है। आतंकवाद के विरुद्ध आपकी जीरो टॉलरेंस सभी ने देखी। उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा हमले के बाद बालाकोट स्ट्राइक और पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर, हर बार आपके मजबूत नेतृत्व में भारत ने दुश्मन को करारा जवाब दिया है।

आपके मन में देश के गरीब, किसान, मध्यम वर्ग के लोगों के लिये गहन संवेदना है। यही कारण है कि पिछले 12 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। आज पूरे देश में 81 करोड़ से अधिक लोगों को 5 किलो मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आपने 4 करोड़ से अधिक लोगों को पक्के मकान देकर उनका पक्की छत का सपना साकार किया है। जल जीवन मिशन से नल से जल की व्यवस्था हुई है। देश के अन्नदाता के प्रति आपकी सोच का ही परिणाम है कि पीएम किसान सम्मान निधि में 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों के बैंक खातों में जा चुकी है।

नारी सशक्तिकरण के लिये आपके प्रयास हम सब के लिये अनुकरणीय है। लोकसभा एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के लिये आपकी प्रतिबद्धता और समर्पण वंदनीय है। पिछले 12 वर्षों में आपने नारी सशक्तिकरण के लिये पीएम उज्ज्वला योजना, स्व-सहायता समूहों का गठन, लखपति दीदी, पीएम सुकन्या समृद्धि योजना, पीएम मातृ वंदना जैसी अनेक योजनाओं की सौगात दी। आज देश में 48 प्रतिशत स्टार्टअप्स में महिला निदेशक हैं।

प्रदेश को हमेशा पल-पल पर आपका मार्गदर्शन स्नेह और आशीर्वाद मिला है। आपने मध्यप्रदेश को केन- बेतवा लिंक परियोजना, पार्वती - कालीसिंध - चंबल लिंक परियोजना जैसी सिंचाई परियोजनाओं की सौगात दी है, आपके नेतृत्व में मध्यप्रदेश औद्योगिकीकरण के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। फरवरी 2025 में आपने स्वयं पधार कर भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का उद्घाटन कर हमें अनुग्रहीत किया था। पिछले 2 वर्षों में प्रदेश को 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और तेजी से ये धरातल पर उतर रहे हैं। आपके ही कर कमलों से धार में देश के पहले टेक्सटाइल पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन आपके जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़े में सम्पन्न हुआ।

आपका आशीर्वाद मध्यप्रदेश को सभी क्षेत्रों में मिला है। आपने सड़क अधोसंरचना में मध्यप्रदेश को बड़ी सौगातें दी हैं। आपने 136 कि.मी. लंबे लगभग 3 हजार करोड़ रुपये लागत से उज्जैन- गरोठ ग्रीन फील्ड हाईवे का निर्माण कराया जिससे इंदौर एवं उज्जैन के लोगों को दिल्ली से कनेक्टिविटी मिली। इसी तरह राष्ट्रीय राजमार्ग-46 के इटारसी-बैतूल 22 कि.मी. टाइगर कॉरिडोर, भोपाल- कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के 4-लेन में अपग्रेड करने की स्वीकृति, 6-लेन आगरा - ग्वालियर राष्ट्रीय हाई स्पीड कॉरिडोर की परियोजना की स्वीकृति प्रदान की। आपके द्वारा प्रदेश को दी गई कई सड़क परियोजनायें प्रगतिरत हैं।

आपके मार्गदर्शन में प्रदेश में वर्ष 2026 "कृषक कल्याण वर्ष" के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष गेहूं में समर्थन मूल्य पर 13.42 लाख किसानों द्वारा 104.36 लाख मे. टन गेहूं विक्रय किया गया है। यह विगत 10 वर्षों में सर्वाधिक है। भावान्तर योजना के अंतर्गत सोयाबीन उत्पादक लगभग 6 लाख 86 हजार किसानों के खाते में लगभग 1 हजार 454 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया गया है।

आपके नेतृत्व में गरीबों के कल्याण से संबंधित योजनाओं में मध्यप्रदेश लगातार कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास (शहरी) में 9 लाख से अधिक हितग्राहियों को अपना पक्का घर मिला है वहीं प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में 54.08 लाख नागरिकों को आवास मिले हैं। आवास पूर्णता में संख्यात्मक रूप में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। इसी तरह से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में प्रदेश में 15.94 लाख प्रकरणों में 2697 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया है। इस योजना में मध्यप्रदेश देश में प्रथम है।

आपके मार्गदर्शन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से प्रगति हुई है। प्रदेश में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 14 से बढ़कर 19 तथा निजी चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 12 से बढ़ कर 14 हो गई है। इसी तरह से भारत की परम्परागत चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद का भी आपके मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार विस्तार कर रही है। वर्तमान में प्रदेश में 7 शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हैं तथा 8 नए कॉलेज स्थापित किये जा रहें हैं। आपकी राष्ट्र को स्वास्थ्य क्षेत्र में दी गई सबसे बड़ी सौगात "आयुष्मान भारत" में जनसंख्या अनुपात में आयुष्मान कार्ड बनाने में प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है।

आप ने इन 12 वर्षों में भारत वर्ष के गौरवशाली अतीत और सांस्कृतिक विरासत को भी पुन: जागृत किया। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण राष्ट्र की चेतना का जागरण है। आपके द्वारा काशी विश्वनाथ धाम, श्री महाकाल महालोक, केदारनाथ धाम एवं सोमनाथ धाम का विकास वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का अद्भुत प्रयास है। वर्ष 2014 में आपके प्रयास से संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दी। आज 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग को अपना चुके हैं। यह भारत की आध्यात्मिक शक्ति को मिली विश्व की सबसे बड़ी मान्यता है।

आपके कुशल एवं दृढ़ नेतृत्व में पूरे भारत वर्ष में मार्च 2026 तक नक्सल समस्या को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था, उसे मध्यप्रदेश ने भी प्राप्त कर लिया। यह आपकी दृढ़ इच्छा शक्ति का ही परिणाम है कि दशकों से चली आ रही एक राष्ट्रीय समस्या का उन्मूलन संभव हो सका। अब आपके मार्गदर्शन में नक्सल प्रभावित गाँवों के त्वरित विकास के लिये माइक्रो डेवलपमेंट प्लान तैयार किया जा रहा है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र ने देश एवं प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान की है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर मैं आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर सफल नेतृत्व की कामना करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके मार्गदर्शन में भारत अमृतकाल के लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए विश्व में और अधिक गौरवशाली स्थान प्राप्त करेगा।

सादर !

भवदीय

(डॉ. मोहन यादव)

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D-11032/26

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

हमीदिया हॉस्पिटल से मोती मस्जिद तक अतिक्रमण का जाल

भोपाल। राजधानी भोपाल के पुराने शहर की सबसे व्यस्त सड़कों में शामिल हमीदिया हॉस्पिटल से मोती मस्जिद तक का मार्ग इन दिनों बढ़ते अतिक्रमण की चपेट में है। सड़क किनारे फुटपाथों और सार्वजनिक स्थानों पर लगातार बढ़ रहे कब्जों के कारण यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नगर निगम की लापरवाही और ढीले रवैये के चलते अतिक्रमण करने वालों के हौसले बुलंद हैं। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों लोग, मरीज, उनके परिजन और आम नागरिक गुजरते हैं, लेकिन सड़कों पर फैले अतिक्रमण के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर फुटपाथ पूरी तरह गायब हो चुके हैं और राहगीरों को अपनी जान जोखिम में डालकर सड़क पर चलना पड़ रहा है। वहीं सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहन और अस्थायी दुकानें जाम की समस्या को और बढ़ा रही हैं।

नगर निगम के पास कोई रिकार्ड नहीं, अब तक कार्रवाई भी नहीं की गई

अनदेखी : बिना अनुमति के चल रहे पांच हजार पुस्तकालय और कोचिंग सेंटर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में बिना अनुमति और सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी संचालित हो रहे हैं, पर जिला प्रशासन और नगर निगम सख्त कार्रवाई नहीं कर रही है। खास बात ये हैकि इन संस्थानों में छात्रों के सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। आवासीय इलाके जैसे अशोका गार्डन, पिपलानी, अवधपुरी, कोलार आदि में सर्वाधिक लाइब्रेरी चल रही है। इसे लेकर जिला प्रशासन भी गंभीर नहीं है।

बता दें कि राजधानी में हर साल लगभग 20 हजार बच्चे मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों से पढ़ने और रोजगार करने आते हैं। इनमें अधिकतर स्टूडेंट है, जो अपनी सुविधा और सामर्थ्यनुसार किराए के कमरे लेकर रहते हैं। जिन इलाकों या मकानों में छात्र रहते हैं, उनको कई बार पढ़ने के लिए शांत या एकांत वातावरण नहीं मिल पाता है।

ऐसे में वे ऐसी जगह की तलाश करते हैं। उनकी मजबूरी का फायदा उठाते हुए कई मकान मालिकों ने अपने घर कोचिंग और

लाइब्रेरी के लिए किराए में उपयोग कर रहे है, जोकि नगर निगम या जिला प्रशासन की बिना अनुमति के संचालित है।

नगर निगम के पास सीधे रूप से कोचिंग सेंटर्स या पुस्तकालयों की कोई एकीकृत और केंद्रीकृत संख्या दर्ज नहीं है। निगम अधिकारियों का दावा है कि व्यावसायिक गतिविधियों के अनुसार निगम के पास सिर्फ शहर में लगभग 100 प्रमुख कोचिंग संस्थान एमपी. नगर, कोलार और 40 से अधिक सेल्फ-स्टडी सेंटर्स व पुस्तकालय ही दर्ज हैं। जबकि प्रशासनिक नियमों के तहत किसी भी प्रतिष्ठान को व्यावसायिक उद्देश्य के लिए चल रहे हैं, तो उनको नगर निगम से ट्रेड लाइसेंस अनुमति और फायर एनओसी अनिवार्य है। इसके साथ ही ऑनलाइन पंजीकरण के साथ दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करना होता है। अधिकारियों ने माना कि शहर में निजी लाइब्रेरियों और कोचिंग सेटंर बिना अनुमति के सैकड़ों की संख्या में चल रहे हैं। कोरोना के बाद अचानक इन संस्थानों की संख्या बढ़ी है। केवल सरकारी व सार्वजनिक पुस्तकालय के नाम पर अधिकृत ऐतिहासिक मौलाना आज़ाद सेंट्रल लाइब्रेरी है, जहां एक साथ लगभग 600 छात्र बैठकर पढ़ते हैं। वही एम.पी. नगर, अशोका गार्डन और कोलार रोड समेत कई क्षेत्रों में सर्वाधिक स्टडी सेंटर और निजी लाइब्रेरी बिना अनुमति के चल रही हैं।

अवैध लाइब्रेरियों की स्थिति

- एमपी नगर जोन 1 और 2 , भेल की कॉलोनियां समेत अशोका गार्डन के चांदबड़, सेमरा, सुंदर नगर, लाला लाजपत राय कॉलोनी, पंजाबी बाग समेत पिपलानी, एमपी नगर, शाहपुरा, कोलार, कस्तुरबा नगर, अवधपुरी जैसे पॉश इलाकों को मिलाकर लगभग 2000-2500 से अधिक लाइब्रेरियां बिना अनुमति के चल रही है। इनके बारे में निगम के पास को जानकारी नहीं है।
- उक्त इलाकों के मकान मालिकों ने प्रथम या उससे उपर के मंजिलों में छोटे- छोटे कमरों में लाइब्रेरी खोल रखे हैं, जहां सिर्फ प्रत्येक छात्र को कुर्सी- टेबिलें दे दिया है। सुरक्षा के नाम यहां कोई व्यवस्था नहीं है। कैमरे तक नहीं लगे हैं। हालांकि कुछ मकान मालिकों ने बच्चों के लिए वाई-फाई सुविधा दे रखी है। लाइब्रेरी के नाम पर 6 बाय 6 के पार्टीशन बना दिए हैं।

साप्ताहिक बुधवारीय लघुकथा गोष्ठी

लघुकथा मनोरंजन की नहीं मूलतः प्रतिरोध की विधा है : ज्योति

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

समकालीन लघुकथा अपने समय को रेखांकित करती है। यह मनोरंजन की नहीं मूलतः प्रतिरोध की विधा है। लघुकथा का रूप भले संक्षिप्त हो परन्तु प्रभाव व्यापक होता है। यह उदगार हैं वरिष्ठ लघुकथा लेखक ज्योति करंजगांवकर के जो लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित साप्ताहिक ऑन लाइन गूगल लघुकथा गोष्ठी एवं विमर्श में वरिष्ठ लघुकथाकार साकार श्रीवास्तव जयपुर (राज.) द्वारा प्रस्तुत लघुकथाओं पर मुख्य समीक्षक के रूप में बोल रही थीं। कार्यक्रम के आरम्भ में केंद्र के सचिव घनश्याम मैथिल अमृत ने स्वागत उदबोधन देते हुए मंच पर उपस्थित साहित्यकारों लघुकथा लेखकों को आगामी 19जून को %लघुकथा दिवस %के अवसर पर भोपाल में होने वाले अखिल भारतीय लघुकथा अधिवेशन में आमंत्रित किया।

इसके बाद डॉ. ममता माली मुंबई (महाराष्ट्र) के संचालन में गोष्ठी आरम्भ हुई और लघुकथाकार साकार श्रीवास्तव ने गुहार, भीख मांगने वाली गरीब महिलाओं की दशा पर केंद्रित गली का कुत्ता वर्तमान की सामाजिक राजनैतिक दशा पर कटाक्ष करती पतंग लुटेरा, गरीब बच्चे की मदद नई मुस्कान महिलाओं की रजोनिवृत्ति से उपजी समस्याओं को लेकर और हिंदी दिवस हमारी भाषा को लेकर दोहरे चरित्र को पर गड़ी गई पाँच प्रतिनिधि लघुकथाओं का वाचन किया। डॉ. गिरिजेश सक्सेना, पूर्णिमा ढिल्लन, हर्षा मूलचंदानी, अलका अग्रवाल, अनिल कुमार जैन ने अपनी समीक्षात्मक टिपण्णी प्रस्तुत की इस अवसर पर इन लघुकथाओं पर केंद्र की निदेशक कांता रॉय ने विस्तार से बात की।

जुरसिंहा गांव में मापी गई 1,500 सेंटीमीटर परिधि

विरासत : पन्ना में 500 साल पुराना 'बरगद का पेड़' मिला

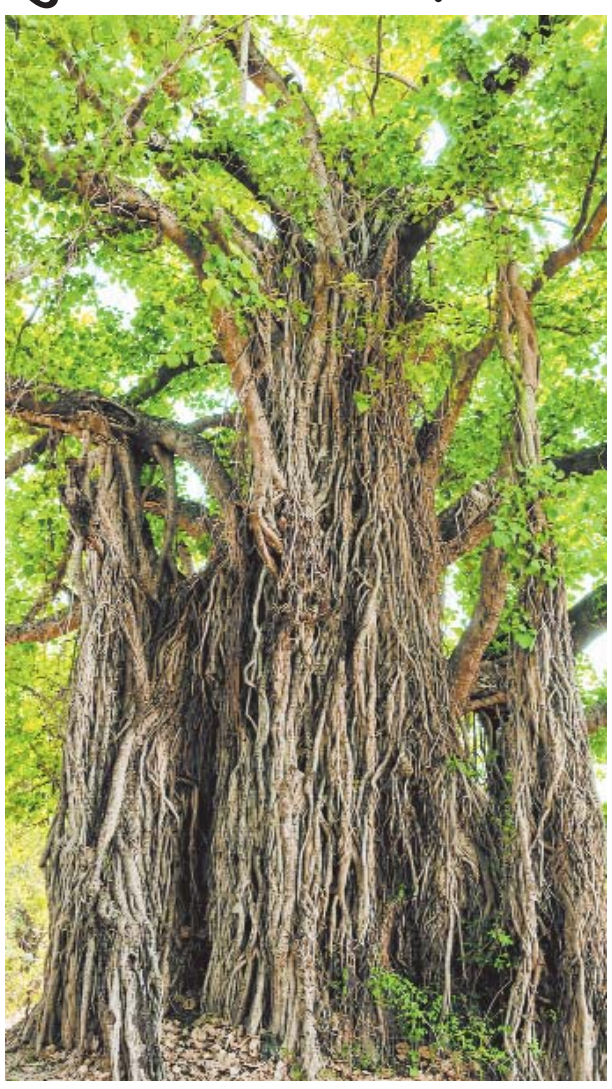

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

घने प्राकृतिक क्षेत्र के लिये मप्र में मशहूर पन्ना में 500 वर्ष तक पुराना बरगद का पेड़ मिला हैं। दक्षिण वन पन्ना के काल्दा परिक्षेत्र के जुरसिंहा गांव में मौजूद इस विशाल बरगद को वनमंडल का सबसे बड़ा वृक्ष दर्ज दिया गया। इस वृक्ष की परिधि लगभग 1,500 सेंटीमीटर मापी गई, जो इसे क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहरों में शामिल करती है।

पटेल के रिटायरमेंट पर रामायण और भंडारे का आयोजन 15 को

भोपाल। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष व प्रवक्ता राजकुमार पटेल 30 जून को सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। वे मंत्रालय के कर्मचारी संगठन में लगातार 13 बार चुनाव जीतकर लंबे समय से कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। साख सहकारी समिति के सदस्यों की करोड़ों रुपए की लगभग डूब चुकी जमाराशि वापस करवाने और मंत्रालय कर्मचारियों की आवासीय कालोनी के लिए ग्राम कानासैया में 40 एकड़ भूमि आवंटित करवाने में पटेल का बड़ा योगदान रहा। मंत्रालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने बताया कि पटेल की सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में 15 जून को वल्लभ भवन के गेट क्रमांक 6 के पास स्थित गणेश मंदिर में अखंड रामायण पाठ व भंडारा का आयोजन किया है। अखंड रामायण पाठ 14 जून से शुरू हो जायेगा।

कर्मचारी चयन मंडल भर्ती परीक्षा निरस्ती के मामले में प्राथमिक रूप से कंपनी दोषी

रिपोर्ट उच्च अधिकारियों की ओर प्रस्तुत ब्लैकलिस्टेड कंपनी कर रही थी काम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा लगभग 15 दिवस पूर्व आयोजित किए गए वनरक्षक क्षेत्र रक्षक एवं जेल प्रहरी सहित सहायक जेल अधीक्षक भर्ती परीक्षा 2026 की द्वितीय पाली के निरस्त करने के मामले में प्राथमिक रूप से हुई जांच में परीक्षा संचालन करने वाली कंपनी जो तकनीकी एवं सॉफ्टवेयर का कार्य करती है , उसे विभाग के द्वारा उपरोक्त परीक्षा आयोजन में प्राथमिक रूप से दोषी माना गया है। इस संबंध में रिपोर्ट कर्मचारी चयन मंडल के

द्वारा मध्य प्रदेश शासन को सौंप दी गई है। जानकारी के अनुसार उपरोक्त कंपनी वर्ष 2022 एवं 23 में ब्लैकलिस्टेड घोषित की जा चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जांच एवं खर्च प्रतिपूर्ति की मांग की थी उपरोक्त संबंध में मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा आयोजित वनरक्षक क्षेत्र रक्षक एवं जेल प्रहरी, सहायक जेल अधीक्षक भर्ती परीक्षा तकनीकी कारणो से निरस्त होने के बाद इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने संपूर्ण घटनाक्रम की जांच उच्च स्तरीय कमेटी द्वारा करने के साथ-साथ परीक्षार्थियों को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई की मांग की थी। उपरोक्त परीक्षा मध्य प्रदेश भर में एक साथ क्रमशः मुरैना भिंड, दतिया, ग्वालियर ,सागर ,बालाघाट सहित प्रदेश के कई जिलों में आयोजित की गई थी। परंतु परीक्षा प्रारंभ होने के कुछ समय पूर्व ही तकनीकी कमी एवं कारणों के चलते उपरोक्त परीक्षा निरस्त कर दी गई थी। एवं 20 जून को सुबह 10:00 बजे से 12:00 तक आयोजित करने का निर्णय लिया था। इस मामले में लगभग संपूर्ण मध्यप्रदेश से 1 लाख से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा में भाग लेने के लिए शामिल हुए थे।

कहीं पोर्टल बंद, तो कई नहीं दिखा रहे रिक्त पद

भोपाल। प्रदेश में तबादले शुरू हो गए है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख 15 जून है, लेकिन तकनीकी खामियों और विभागों की अधूरी तैयारी से कर्मचारी चिंतित है। आवेदन करते समय पोर्टल बंद या रिक्त पद नहीं दिखा रहा है। इससे कर्मचारी आवेदन नहीं कर पा रहे है। राज्य सरकार का ऑनलाइन ट्रांसफर आवेदनों के लिए तैयार किया गया ईएचआरएमएस पोर्टल कर्मचारियों के लिए मुसीबत बन गई है। विभिन्न विभागों के लिंक न खुलने और त्रुटियों के कारण कर्मचारी दफ्तरों और कियोस्क सेंटरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। अधूरी तैयारी ने बिगाड़ा खेल-कर्मचारी नेता उमाशंकर तिवारी ने आरोप लगाया है कि सरकार ने आनन-फानन में ट्रांसफर पॉलिसी तो लागू कर दी, लेकिन इसके लिए बैकएंड पर काम करने वाले तकनीकी पोर्टल को पूरी तरह अपडेट नहीं किया गया।

मेट्रो एंकर | 30 हजार विद्यार्थियों को नहीं मिले कॉलेज, इस सप्ताह बची सीटों पर होगी काउंसलिंग

पसंद के कॉलेज में प्रवेश के लिए 1.5 लाख छात्रों ने किए नामांकन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के कॉलेजों में उच्च शिक्षा विभाग के प्रवेश के दूसरे चरण की जारी प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन पंजीकरण के साथ जमा आवेदनों का सत्यापन कार्य पूरा हो चुका है। दूसरे चरण में लगभग एक लाख 50 हजार विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। अब सीट आवंटन सूची जारी होगी। इसमें चयनित विद्यार्थी को 13 जून तक शुल्क जमा कर प्रवेश सुनिश्चित करना होगा।

बता दें कि पहले चरण में एक लाख 32 हजार से अधिक छात्रों को सीटें अलॉट की गई थी। इनमें से लगभग 30 हजार छात्र ऐसे थे, जिन्हें पहली लिस्ट में कॉलेज नहीं मिला। इन

इन छात्रों ने दूसरे चरण में प्रवेश के लिए आवेदन किया है। दूसरे चरण के की रिक्त सीटों को भरने के बाद अब अगले सप्ताह बची सीटों के लिए कॉलेज स्तर की काउंसलिंग प्रक्रिया आयोजित की जाएगी।

उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार 7 को स्नातक और 8 को स्नातकोत्तर की सूची जारी की जाएगी। चयनित विद्यार्थियों को 13 जून तक अपनी फीस जमा कर सीट कन्फर्म करनी होगी। पहले चरण में 1.32 लाख में से 1,07,075 स्नातक और 25,123 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को कॉलेज आवंटित किए गए थे, लेकिन केवल 10 फीसदी सीटें ही भर पाई थीं। दूसरे चरण के बाद खाली बची सीटों के लिए कॉलेज लेवल काउंसलिंग होगी, जिसमें रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश मिलेगा।

जून अंत में आएगा 12 वीं बोर्ड द्वितीय परीक्षा का परिणाम

माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12 वीं की द्वितीय परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य जारी है। ये परिणाम जून के अंतिम सप्ताह में घोषित आएंगे। परिणाम जारी होने के बाद बड़ी संख्या में विद्यार्थी उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रोफेसर डा आर्य का मानना है कि वर्तमान में अधिकांश प्रवेश प्रावधिक रूप से दिए जा रहे हैं। प्रवेश शुल्क जमा होने के बाद ही उन्हें अंतिम रूप से मान्य माना जाएगा। वहीं, सीबीएसई बोर्ड और एमपी बोर्ड की 12 वीं सेकंड परीक्षा का परिणाम अभी घोषित नहीं हुआ है, जिससे प्रवेश प्रक्रिया धीमी है। इन परिणामों के आने का बाद कॉलेजों में बची सीटें भर सकती है।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 336 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26
भोपाल
11 जून 2026 गुरुवार

आज का मौसम
40.2 अधिकतम
27.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page- 7

अमेरिकी नौसेना ने किया था अटैक, गायब बताए गए चीफ इंजीनियर भी नहीं बचे

होर्मुज के पास भारतीय जहाज पर हमले में तीन नाविकों की मौत

नई दिल्ली/तेहरान. एजेंसी

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास ओमान तट पर वाणिज्यिक पोत एमटी सेट्टेबेलो पर हुए हमले में तीनों भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हो गई है। पहले चीफ इंजीनियर को लापता बताया गया था लेकिन अब उनकी भी मौत होने की खबर आ गई है। विदेश मंत्रालय ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए बताया है कि जहाज पर सवार 24 भारतीय क्रू सदस्यों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है।

फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया के महासचिव मनोज यादव ने कहा कि पोत से संपर्क बुरी तरह से बाधित हो गया है और जानकारियों की अभी भी पुष्टि की जा रही है। हम जहाज से संपर्क स्थापित करने में असमर्थ रहे हैं।

जो नवीनतम जानकारी है, उससे पता चलता है कि तीन लोगों की मौत हो गई है। तीनों नाविक भारत के अलग-अलग राज्यों- हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश (देवरिया) और आंध्र प्रदेश से हैं। इस घटना से अमेरिकी नौसेना बलों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। कोई भी यह मानने को तैयार नहीं है कि अमेरिका को जहाज पर सवार क्रू की नागरिकता का पता नहीं था। यादव ने आगे कहा कि अगर पोत उनके निर्देशों का पालन नहीं कर रहा था, तो उसे हिरासत में लिया जाना चाहिए था, न कि इस तरह हमला किया जाता। फिलहाल पोत से संपर्क पूरी तरह बाधित है। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने इस भीषण हमले की कड़े शब्दों में निंदा की थी। मंत्रालय के अनुसार, एमटी सेट्टेबेलो पर कुल 24 भारतीय क्रू सदस्य सवार थे, जिनमें से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है। ओमान स्थित भारतीय दूतावास पूरे घटनाक्रम पर बारीक नजर बनाए हुए है।

अमेरिका का ईरान पर लगातार दूसरे दिन हमला, होर्मुज फिर बंद

अमेरिका ने आज सुबह ईरान के कई ठिकानों पर नए हवाई हमले किए है। यह अप्रैल में हुए सीजफायर के बाद लगातार दूसरे दिन बड़ा अटैक है। ईरानी मीडिया के मुताबिक केश्म द्वीप, बंदर अब्बास, मीनाब और सीरिक में धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं। कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिए गए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान समझौते की बातचीत में देरी कर रहा है, इसलिए अमेरिका दबाव बनाए रखेगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने 49 टॉमहॉक मिसाइलें दागीं और लड़ाकू विमानों से भी हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। हालांकि, किसी नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ईरान ने एक बार फिर होर्मुज स्ट्रेट को सभी जहाजों के लिए बंद कर दिया है। हालांकि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसे खारिज कर दिया।

कश्मीर से तवांग तक विकास और सामरिक शक्ति की नई तस्वीर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारह वर्षों के कार्यकाल का मूल्यांकन यदि केवल चुनावी राजनीति या सरकारी योजनाओं के आधार पर किया जाए तो तस्वीर अधूरी रहेगी। इस दौर की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि विकास को पहली बार राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक रणनीति के साथ जोड़कर देखा गया। विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तर-पूर्व भारत जैसे वे क्षेत्र, जिन्हें दशकों तक दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों, सीमित संपर्क और सुरक्षा चुनौतियों के कारण विकास की मुख्यधारा से दूर माना जाता रहा, पिछले एक दशक में राष्ट्रीय नीति के केंद्र में दिखाई दिए।

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है जिनकी सीमाएं अत्यंत जटिल और संवेदनशील भौगोलिक परिस्थितियों से होकर गुजरती हैं। पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर में चीन और पूर्व में बांग्लादेश तथा म्यांमार से लगी सीमाएं केवल सुरक्षा की चुनौती नहीं हैं, बल्कि विकास और संपर्क की भी चुनौती हैं। लंबे समय तक सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास की गति सुरक्षा परिस्थितियों की बंधक बनी रही। लेकिन पिछले बारह वर्षों में पहली बार यह दृष्टिकोण उभरा कि मजबूत सीमाएं केवल सैनिक चौकियों से नहीं, बल्कि मजबूत आधारभूत ढांचे से भी बनती हैं।

समाचार विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

मोदी के 12 वर्ष पार्ट-2

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। वर्षों तक कश्मीर घाटी का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क मौसम और भौगोलिक परिस्थितियों पर निर्भर रहा। अब तस्वीर तेजी से बदल रही है। चिनाब रेल पुल का निर्माण केवल एक इंजीनियरिंग उपलब्धि नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकीकरण का प्रतीक है। दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज के रूप में स्थापित यह परियोजना कश्मीर को भारतीय रेल नेटवर्क से जोड़ती है। अटल टनल ने हिमाचल प्रदेश और लद्दाख के बीच संपर्क को नई गति दी है। वर्ष के अधिकांश समय बर्फबारी से प्रभावित रहने वाले क्षेत्रों तक अब सुगम पहुंच संभव हुई है। जोजिला सुरंग और जेड-मोड़ सुरंग जैसी परियोजनाएं भी अपने अंतिम चरण में हैं। इससे लद्दाख और कश्मीर के रणनीतिक इलाकों में निर्बाध संपर्क हो सकेगा।

आम नागरिकों की सुविधा कस साथ वर्ष 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ हुए सैन्य तनाव ने यह सबक सिखाया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, सुरंग और रेल नेटवर्क आधुनिक राष्ट्र की सामरिक शक्ति का अभिन्न हिस्सा हैं। सैनिकों, हथियारों और रसद की तेज आवाजाही आज की जरुरत है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने पिछले वर्षों में जिस गति से सीमावर्ती क्षेत्रों में हजारों किलोमीटर नई सड़कों और अनेक पुल बनाकर उन क्षेत्रों को जोड़ा जहाँ पहुंचना बड़ी चुनौती था। यदि कश्मीर और लद्दाख सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं तो उत्तर-पूर्व भारत भारत की भू-राजनीतिक संभावनाओं का प्रवेश द्वार है। लंबे समय तक 'चिकन नेक' के उस पार बसे विशाल भूभाग को पिछले दशक में उत्तर-पूर्व को देश की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया हैं। असम का बोगीबील पुल भारत का सबसे लंबा रेल-सह-सड़क पुल बनकर उभरा। ढोला-सादिया पुल ने असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच यात्रा को कई घंटों तक कम कर दिया। अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में सड़क तथा रेल संपर्क का तेजी से विस्तार हुआ।

मोदी सरकार की 'एक्ट ईस्ट नीति' ने भी उत्तर-पूर्व को नई रणनीतिक पहचान देने का प्रयास किया। भारत-म्यांमार-थाईलैंड राजमार्ग उत्तर-पूर्व भारत को दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ जोड़ने की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। यदि यह दृष्टि पूरी तरह सफल होती है तो उत्तर-पूर्व आने वाले वर्षों में भारत के लिए व्यापार, निवेश और क्षेत्रीय संपर्क का नया केंद्र बन सकता है।

इसके अलावा पूरे देश में सड़क, रेल और हवाई संपर्क के विस्तार को भी प्राथमिकता दी गई। वर्ष 2014 में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई लगभग 91 हजार किलोमीटर थी, जो अब बढ़कर 1.46 लाख किलोमीटर से अधिक हो चुकी है। राजमार्ग निर्माण की गति भी कई गुना बढ़ी है। भारतमाला परियोजना के तहत हजारों किलोमीटर सड़कों का निर्माण और उन्नयन हुआ है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और महाराष्ट्र का समृद्धि महामार्ग जैसे परियोजनाएं आर्थिक गतिविधियों के नए गलियारे हैं। इनसे माल परिवहन की लागत घटने और निवेश बढ़ने संभव हुआ है। रेलवे क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव दिखाई देते हैं। 45 हजार किलोमीटर से अधिक रेल मार्गों का विद्युतीकरण, वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार, रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण और 'कवच' जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली का विस्तार भारतीय रेलवे के बदलते स्वरूप को दर्शाता है। इसी प्रकार देश में परिचालित हवाई अड्डों की संख्या लगभग दोगुनी होकर 150 से अधिक हो चुकी है, जिससे छोटे शहरों को भी हवाई संपर्क से जोड़ने में मदद मिली है। फिर भी चुनौतियां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों से आबादी का पलायन चिंता का विषय बना हुआ है। उत्तर-पूर्व में औद्योगिक निवेश अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। पर्यटन, रोजगार और निजी निवेश की संभावनाओं को पूरी तरह साकार किया जाना अभी बाकी है। इसके बावजूद यह कहना गलत नहीं होगा कि जम्मू-कश्मीर और उत्तर-पूर्व भारत में पिछले बारह वर्षों के दौरान जितना आधारभूत ढांचा विकसित हुआ है, उतना स्वतंत्र भारत के किसी भी पूर्ववर्ती दशक में शायद ही देखने को मिला हो। यदि आने वाले वर्षों में इन क्षेत्रों में रोजगार, निवेश और औद्योगिक विकास का अगला चरण भी सफल होता है, तो कश्मीर और उत्तर-पूर्व भारत केवल सामरिक चौकियां नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक शक्ति के नए केंद्र बन सकते हैं। यह मोदी युग के आधारभूत ढांचा मॉडल की मिसाल बनेगी। **जारी...**

फीफा वर्ल्ड कप

फुटबॉल का सबसे बड़ा महाकुंभ आज से

नईदिल्ली. एजेंसी

विश्व की सबसे बड़ी फुटबॉल प्रतियोगिता फीफा विश्व कप 2026 का आज से आगाज हो रहा है। यह टूर्नामेंट 19 जुलाई तक अमरीका, कनाडा और मैक्सिको में आयोजित किया जाएगा। फीफा विश्व कप का यह अब तक का सबसे बड़ा संस्करण है। इसमें पहली बार 48 टीमें भाग ले रही हैं। इससे पहले के संस्करणों में 32 टीमें शामिल होती थीं। पहला मुकाबला मेजबान मेक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच होगा। यह मैच रात 12:30 बजे से खेला जाएगा। - विस्तृत खबर पेज 7 पर

ज्यादातर जगह मिलता है ई-20 श्रेणी का पेट्रोल

एथेनॉल को बढ़ावा! जो पेट्रोल उपलब्ध नहीं, उस पर छूट का सरकारी एलान

नईदिल्ली. एजेंसी

केंद्र सरकार 22 से 30 फीसदी तक एथेनॉल मिले पेट्रोल पर कोई एक्साइज ड्यूटी नहीं लेने का फैसला किया है। अभी ज्यादातर जगहों पर 20 फ़ीसदी एथनॉल मिला पेट्रोल मिलता है, जिसपर कोई राहत नहीं दी गई है। केंद्र सरकार का कहना है कि इस फैसले से कच्चे तेल का इम्पोर्ट कम होगा और क्लीन एनर्जी को बढ़ावा मिलेगा। सवाल उठाया जा रहा है जब 20 फीसदी से ज्यादा एथेनॉल वाला पेट्रोल जयादातर जगह उपलब्ध ही नहीं है तो फिर इस छूट का क्या फायदा। सवाल यह है कि यदि एथेनॉल आयातित कच्चे तेल से सस्ता है, देश में बनता है और किसानों से खरीदा जाता है, तो पिछले कुछ वर्षों में E 10 से E 20 तक पहुंचने के बावजूद पेट्रोल की कीमतों में स्पष्ट कमी क्यों नहीं दिखी? दरअसल एथेनॉल मिश्रण से होने वाली बचत का बड़ा हिस्सा उपभोक्ता तक सीधे नहीं पहुंचाया गया। सरकार और तेल कंपनियां इसे आयात बिल कम करने, एथेनॉल खरीद, वितरण और राजस्व संतुलन में समायोजित करती रही हैं। इसी वजह से आम आदमी को पंप पर बहुत बड़ा मूल्य लाभ दिखाई नहीं देता सरकार ने जिस पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी माफ की है, वह अभी आम उपभोक्ता की पहुंच में नहीं है। इसलिए सरकार ने एथेनॉल प्रोत्साहन का संदेश तो दिया, लेकिन उपभोक्ता को तत्काल कीमत राहत नहीं दी। एथेनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ने के रस से होता है, लेकिन स्टार्च कॉन्टेनिंग मटेरियल्स जैसे मक्का, सड़े आलू, कसावा और सड़ी सब्जियों से भी एथेनॉल तैयार किया जा सकता है।

गुरु रंधावा के जिम के बाहर कई राउंड फायरिंग

नईदिल्ली. एजेंसी

राजधानी दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में मशहूर गायक गुरु रंधावा के जिम के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बाइक सवार बदमाशों ने जिम को निशाना बनाते हुए करीब सात राउंड गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में

दहशत का माहौल है।बताया जा रहा है कि हमलावरों ने जिम के बाहर पहुंचते ही फायरिंग शुरू कर दी। गोलियां लगने से जिम के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

केरलम में इस साल निपाह वायरस का पहला केस मिला

तिरुवनंतपुरम. एजेंसी

केरलम में इस साल निपाह वायरस का पहला केस मिला है। इसकी जानकारी आज सामने आई। मरीज 43 साल का है और कोझिकोड का रहने वाला है। राज्य सरकार ने रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। मरीज को हल्का बुखार आने पर प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। बाद में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज भेजा गया। उसकी हालत गंभीर है और वह वेंटिलेटर पर है। स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने कहा, मरीज कई लोगों के संपर्क में आया था। अस्पताल के स्टाफ और उसके संपर्क में आए संभावित लोगों को क्वारंटीन रहने को कहा गया है। फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है। 2018 के बाद से केरलम में 6वीं बार संक्रमण फैला है। आखिरी बार दो साल पहले 2024 में दो केस मिले थे। इनमें एक की जान चली गई थी।

मेट्रो एंकर

'हेनले एंड पार्टनर्स' ने जारी की ताजा रैंकिंग, वीजा फ्री एंट्री के आधार पर तय होती है ताकत

सिंगापुर का पासपोर्ट फिर नंबर वन... भारत फिसलकर 81वें नंबर पर आया

दुबई. एजेंसी

हेनले एंड पार्टनर्स ने दुनियाभर के देशों के पासपोर्ट की स्थिति बताने वाली नई रैंकिंग जारी की है। अप्रैल से जून तक के लिए जारी रैंकिंग में एक बार फिर सिंगापुर ने टॉप करते हुए अपना दबदबा दिखाया है। सिंगापुर लंबे समय से इंडेक्स में नंबर एक पर है। इंडेक्स में जापान, साउथ कोरिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भी अपनी ताकत दिखाई है। वहीं भारतीय पासपोर्ट की ताकत कमजोर हुई है जबकि पाकिस्तानी पासपोर्ट नीचे गिरते हुए 100 के पार चला गया है।

किसी देश के पासपोर्ट की ताकत इससे तय होती है कि उससे धारक दुनिया के कितनों हिस्सों तक पहुंच सकता हैं। हेनली पासपोर्ट इंडेक्स अलग अलग डेटा के आधार दुनिया भर के पासपोर्ट की ताकत को रैंक करता है। यह रैंकिंग इस आधार पर तय की जाती है कि किसी देश के नागरिक बिना वीजा के कितने देशों में जा सकते हैं। हेनले के नए इंडेक्स में सिंगापुर पहले नंबर पर है। यह पासपोर्ट 192 डेस्टिनेशन में वीजा फ्री पहुंच देता है। जापान, यूएई और साउथ कोरिया के पासपोर्ट से 188 देशों में बिना वीजा एंट्री मिलती है। तीनों देश लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। स्वीडन तीसरे नंबर पर हैं। इसके बाद बेल्जियम डेनमार्क , फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इटली, स्पेन, स्विट्जरलैंड , ऑस्ट्रिया, ग्रीस, माल्टा और पुर्तगाल जैसे देशों के पासपोर्ट सबसे ताकवर हैं। अमेरिका को दसवां स्थान मिला है। भारत का पासपोर्ट ताजा हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में 81वें पोजीशन पर पहुंच गया है। भारतीय

टॉप-10 ताकतवर पासपोर्ट

सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात, स्वीडन, बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी

पासपोर्ट होल्डर बिना पहले से वीजा लिए 56 देशों में वीजा ट्रैवल कर सकते हैं। बीते महीने भारत 78वें नंबर पर था। भारत को जून में अपनी पोजीशन में तीन प्वाइंट का नुकसान हुआ है। रैंकिंग में अमेरिका दसवें और मलेशिया सातवें नंबर पर है। पाकिस्तान को इस लिस्ट में 101वें स्थान (30 देशों में वीजा फ्री ट्रैवल) पर पहुंच गया है। पाकिस्तान से नीचे अब सिर्फ इराक सीरिया और अफगानिस्तान हैं। अफगानिस्तान इस लिस्ट में सबसे नीचे है। अफगानिस्तान के पासपोर्ट से 23 देशों में बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं।

भारतीय पासपोर्ट पर वीजा फ्री देश

भारत के पासपोर्ट पर वीजा फ्री एंट्री देने वाल देशों में अंगोला, बारबाडोस, भूटान, कुक आइलैंड्स, डोमिनिका, फिजी, ग्रेनाडा, जमैका, कजाकिस्तान, केन्या, किरिबाती, मकाओ, मलेशिया, मॉरिशस, माइक्रोनेशिया, मोंटसेराट, नेपाल, फिलीपींस, रवांडा, सेनेगल, सेशेल्स और थाईलैंड हैं। भारतीय पासपोर्ट धारकों को वीजा ऑन अराइवल देने वाले देशों में अल्बानिया, कंबोडिया, कोमोरो आइलैंड्स, जिबूती, इथियोपिया, इंडोनेशिया, जॉर्डन, लाओस, मेडागास्कर, मालदीव, मार्शल आइलैंड्स, मंगोलिया, मोजाम्बिक, म्यांमार, कतर, सिएरा लियोन, श्रीलंका और तंजानिया हैं।

अस्पताल का 'स्टील फ्रेम'

भारत की प्रशासनिक व्यवस्था को कभी 'स्टील फ्रेम' कहा गया था। यह वह ढांचा था जिसने स्वतंत्रता के बाद देश को संगठित रखा, नीतियों को जमीन तक पहुंचाया और शासन को गति दी। लेकिन इक्कीसवीं सदी की चुनौतियां एक नया प्रश्न पूछ रही हैं- क्या स्वास्थ्य जैसे अत्यंत विशिष्ट क्षेत्र को भी अपने अलग प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता है? इलाहाबाद हाईकोर्ट की हालिया टिप्पणी ने इस बहस को फिर जीवित कर दिया है। प्रश्न सीधा है, लेकिन उसका उत्तर उतना सरल नहीं। यदि देश में प्रशासन के लिए अलग सेवा, कानून-व्यवस्था के लिए अलग सेवा और विदेश नीति के लिए अलग सेवा हो सकती है, तो स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक समर्पित अखिल भारतीय चिकित्सा सेवा क्यों नहीं? दरअसल, यह बहस केवल पदों और अधिकारों की नहीं है। यह उस दृष्टिकोण की बहस है जिससे हम स्वास्थ्य व्यवस्था को देखते हैं। एक अस्पताल कोई साधारण सरकारी कार्यालय नहीं होता। वहां फाइलों से अधिक जीवन की धड़कनें चलती हैं। वहां लिए गए निर्णयों का असर सीधे किसी मरीज की सांसों, किसी परिवार की उम्मीदों और किसी समाज की सुरक्षा पर पड़ता है। कोविड महामारी ने दुनिया को एक कठोर सबक दिया था। अत्याधुनिक अर्थव्यवस्थाएं भी स्वास्थ्य संकट के सामने असहाय दिखाई दीं। ऑक्सीजन, अस्पतालों के बिस्तर, दवाइयों की उपलब्धता और संसाधनों के प्रबंधन ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्वास्थ्य प्रशासन केवल कागजी प्रबंधन का विषय नहीं है। इसमें विशेषज्ञता और संवेदनशीलता दोनों की आवश्यकता होती है। इसी आधार पर चिकित्सा समुदाय का एक बड़ा वर्ग मानता है कि स्वास्थ्य तंत्र का नेतृत्व ऐसे लोगों के हाथों में होना चाहिए जो चिकित्सा विज्ञान की जटिलताओं को समझते हों। केवल डॉक्टर होना किसी व्यक्ति को सफल प्रशासक बना देगा, यह मान लेना भी जल्दबाजी होगी। असल सवाल यह नहीं कि डॉक्टर बेहतर हैं या प्रशासक। असली प्रश्न यह है कि क्या देश ऐसा मॉडल विकसित कर सकता है जहां दोनों की ताकतें एक-दूसरे की पूरक बनें। स्वास्थ्य व्यवस्था को आज न तो केवल स्टेथोस्कोप की जरूरत है और न केवल फाइलों की। उसे ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो आंकड़ों के पीछे छिपे इंसान को भी देख सके और अस्पताल की जरूरतों को नीति की भाषा में भी समझ सके। क्योंकि अंततः स्वास्थ्य केवल एक विभाग नहीं है। यह राष्ट्र की जीवन-रेखा है।

वातानुकूलित कमरे में बैठकर विपक्षी दलों की ओर से क्रान्ति की कड़वी बातें

राधा रमण
स्तंभकार

राजनीति की डगर उबड़-खाबड़ होती है, पथरीली होती है। चिलचिलाती धूप में चलना होता है। सड़क पर विरोध-प्रदर्शन करना होता है। नारेबाजी करनी होती है, जेल जाना होता है और जरूरत पड़ने पर पुलिस की लाठियां भी खानी पड़ती है। वातानुकूलित कमरों में बैठकर तो सिर्फ मीठी-मीठी बातें होती है। क्या आपको लगता है कि देश के सियासी दल खासकर विपक्ष के दल सड़क पर उतरने की हालत में हैं? मुझे तो ऐसा नहीं लगता।

लगभग दो साल बाद विपक्षी दलों के गठबंधन (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्ल्यूसिव अलायंस) की बैठक नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में हुई, जिसमें पांच मुद्दों पर सहमति की बात कही गई। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बताया कि इंडिया गठबंधन के नेता मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), वोटर लिस्ट में हेरफेर और चुनाव की निष्पक्षता पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को चिट्ठी लिखेंगे। इसके अलावा बैठक में शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई। देश में आर्थिक स्थिति की बदहाली, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के मसले पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की सरकार से मांग की गई।

अब इसका विश्लेषण करते हैं। एसआईआर को लेकर पहले भी विपक्ष के कई दल सुप्रीम कोर्ट जा चुके हैं और मुंह की खाकर लौटे हैं। अब सीजेआई को पत्र लिखने से क्या नया हो जाएगा? नीट पेपर लीक और सीबीएसई 12वीं बोर्ड की नई ऑनस्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) को लेकर राहुल गांधी लंबे समय से शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। अभी तक इस्तीफा नहीं मिला। मिलने की उम्मीद भी कम है क्योंकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 2015 में ही स्पष्ट कर चुके हैं कि यह सरकार इस्तीफा देने वाली नहीं है। तबसे सरकार उसी लकीर पर चल रही है। बीच में कई मामले आए, चाहे वह तत्कालीन गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी का मामला हो, मंत्री कौशल किशोर का हो, बंदी संजय का हो, ब्रजभूषण शरण सिंह का हो अथवा हरदीप पुरी का हो, पिछले 12 वर्षों में एमजे अकबर के अलावा किसी ने इस्तीफा नहीं दिया है। अकबर का मामला भी अपवाद कहा जा सकता है क्योंकि प्रधानमंत्री ने उनसे इस्तीफा नहीं मांगा था। मीटू में नाम आ जाने और चरित्र हनन से आजिज आकर उन्होंने खुद ही पद छोड़ दिया था।

अब बात सर्वदलीय बैठक बुलाने की करते हैं। अगर विपक्ष के पास देश की बदहाल आर्थिक स्थिति से निकलने, महंगाई पर अंकुश लगाने, बेरोजगारी दूर करने और किसानों की आय बढ़ाने का कोई रोडमैप है, तो उसे जनता को बताना चाहिए। हो सकता है सरकार भी उससे सीख लेती। फिर क्या सरकार इन मुद्दों के प्रति गंभीर नहीं है? कृषि मंत्री संसद के पिछले सत्र में ही कह चुके हैं कि सरकार के प्रयास से किसानों की आय दोगुनी हुई है। तब संसद में बैठे विपक्ष के लोग क्या कर रहे थे। यह अलग बात है कि किसान अपनी बदहाली और बढ़ते कर्ज के कारण आत्महत्या कर रहे हैं।

विपक्षी गठबंधन की बैठक में यह भी तय किया गया कि गठबंधन के नेता हर दूसरे महीने मिलते-बैठक करते रहेंगे और मानसून सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में रोज बैठक करंगे। करिए, किसने रोका है? लेकिन इससे क्या हो जाएगा? देश में विपक्षी गठबंधन के नेताओं के पास सरकार के विरोध का कोई रोडमैप नहीं है। जिन क्षेत्रीय दलों के सहयोग से कांग्रेस राजनीतिक लड़ाई का व्यूह रचना चाहती है, उनका वजूद कांग्रेस के पुराने वोटरों से ही तो है। क्या वे अपना वोटबैंक कांग्रेस के लिए कुर्बान करेंगे? फिर क्या विपक्षी गठबंधन के किसी नेता ने कभी सड़क पर उतरने और जेल भरो आंदोलन करने कोशिश की है? नहीं। आज के नेता चाहे राहुल गांधी हों या अखिलेश यादव, तेजस्वी हों या कोई और, सभी सोशल मीडिया पर पोस्ट करके क्रान्ति करना चाहते हैं। नेताओं के इसी आरामतलब व्यवहार के चलते निष्ठावान कार्यकर्ता घर बैठ गए हैं। सभाओं में किराये की भीड़ जुटाई जाती है। यही कटु सत्य है। याद कीजिए, 1974 में विपक्ष के नेताओं ने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में लामबंद होकर आंदोलन किया था। सड़कों पर उतरे थे, पुलिस की लाठियां खायी थीं और जेल गए थे। तब कहीं इंदिरा गांधी की सरकार से मुक्ति मिली थी।

विपक्षी गठबंधन की एकता सिर्फ नेताओं में है, वह भी दिखावे के लिए है। कार्यकर्ता आज भी एक-दूसरे को निपटाने में ही मशगूल हैं। चुनाव में टिकट वितरण के दौरान विपक्षी गठबंधन के राज्यस्तरीय नेताओं की कटुता चरम पर होती है। हमने देखा कि विधानसभा चुनावों के दौरान सीट बंटवारे में इन्होंने एक-दूसरे पर क्या-क्या आरोप लगाये थे। कई जगहों पर फ्रेंडली फाइट करते दिखाई देते हैं और हार जाने के बाद बैठकर रुदाली करते हैं। देश ने देखा कि महाराष्ट्र में कैसे उद्धव ठाकरे और शरद पवार का उनके अपनों ने ही बिस्तर गोल कर दिया। अब पश्चिम बंगाल में भी यही हो रहा है। बिहार की हालत किसी से छिपी नहीं है। सबकुछ गंवाकर लालू परिवार अब सरकारी बंगले और व्यक्तिगत सुरक्षा पर कैसे हाय-तौबा कर रहा है। इनकी प्राथमिकता में जनता कहीं है ही नहीं। हाल का उदाहारण मध्य प्रदेश की राज्यसभा सीट को ले सकते हैं। कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन सूचना छिपाने के कारण रद्द हो जाने पर सिर्फ कांग्रेसी ही हो-हल्ला कर रहे हैं। बाकी विपक्ष खामोश है। ऐसे में आगे विपक्षी गठबंधन कौन-सी क्रान्ति कर लेगा, समझा जा सकता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

डिजिटल युग में सनातन धर्म का महत्व और भगवत गीता की शिक्षा

डॉ. पंकज जगन्नाथ जायस्वाल
स्तंभकार

आज के डिजिटल युग में सनातन धर्म का महत्व मानव चेतना के लिए एक ढाँचे के रूप में इसकी भूमिका से उत्पन्न होता है, जो एल्गोरिदम केंद्रित, मशीनी दुनिया में आवश्यक संतुलन प्रदान करता है। ऐसे समय में जब शीघ्रता, दक्षता और बाहरी संपर्कों पर जोर दिया जाता है, सनातन धर्म गहन अंतर्दृष्टि और आंतरिक स्थिरता का मार्ग प्रस्तुत करता है। डिजिटल प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सोशल मीडिया के उदय ने गोपनीयता और प्रामाणिकता पर नैतिक बहस को जन्म दिया है। सत्य और अहिंसा पर सनातन धर्म का जोर इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए नैतिक आधार प्रदान करता है। यह लोगों को प्रौद्योगिकी का जिम्मेदारी से उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे करुणा और ईमानदारी पर आधारित एक डिजिटल संस्कृति का विकास होता है।

सनातन धर्म एक डिजिटल मार्गदर्शिका है जो वेद, उपनिषद और भगवद गीता पर केंद्रित सनातन धर्म की गहन शिक्षाओं का अध्ययन करती है। पारंपरिक एआई मॉडल के विपरीत, जो व्यापक और सामान्य जानकारी प्रदान करते हैं, सनातन धर्म विशेष रूप से सनातन सिद्धांतों पर आधारित अंतर्दृष्टि और सलाह प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रौद्योगिकी और परंपरा का अनूठा संगम है, जिसका उद्देश्य सनातन धर्मग्रंथों के शाश्वत ज्ञान को विश्वव्यापी दर्शकों तक पहुंचाना है। यद्यपि डिजिटल युग में सनातन धर्म को विभिन्न दृष्टिकोणों से देखा जा सकता है, प्रौद्योगिकी परंपराओं का स्थान नहीं लेती बल्कि उन्हें और समृद्ध करती है। यह लोगों को उनकी जड़ों से जोड़ती है और उन लोगों के लिए भी प्रथाओं को सुलभ बनाती है जो अन्यथा उनमें भाग नहीं ले पाते।

औपनिवेशिक काल में मुद्रण तकनीक और आधुनिक अकादमिक प्रकाशन का विकास हुआ, जिसके परिणामस्वरूप असंख्य संस्कृत और क्षेत्रीय रचनाओं का दस्तावेजीकरण और अनुवाद संभव हुआ। वर्तमान डिजिटल युग ने आध्यात्मिक और दार्शनिक रचनाओं के व्यापक संरक्षण, अनुक्रमण और वैश्विक वितरण को संभव बनाकर इस प्रयास को और आगे बढ़ाया है। डिजिटल पुस्तकालय, पांडुलिपि संग्रह और खुले मंच अब ज्ञान की नाजुक परंपराओं की रक्षा करने और उन्हें विश्व भर के विद्वानों, छात्रों और आध्यात्मिक साधकों के लिए उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हाल के दशकों में, पारंपरिक ज्ञान में रुचि का उल्लेखनीय पुनरुत्थान हुआ है। विश्वविद्यालय, सांस्कृतिक संगठन, स्वतंत्र शोधकर्ता और डिजिटल मानविकी पहल ने पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण करने, आलोचनात्मक संस्करण तैयार करने और संरचित अकादमिक डेटाबेस विकसित करने के लिए मिलकर काम किया है। कई प्रमुख पहलें धार्मिक ज्ञान के डिजिटल संरक्षण और प्रसारण में महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरी हैं।

चिंता की बात यह है कि औपनिवेशिक काल के दौरान मैक्स मुलर जैसे विद्वानों ने महान भारतीय संस्कृति, परंपराओं, विज्ञान, पर्यावरण, मनोविज्ञान, चेतना और जीवन प्रबंधन के गहन ज्ञान के विरुद्ध भारतीयों और शेष विश्व के मन में दुर्भावना पैदा करने के उद्देश्य से वेदों और उपनिषदों का गलत अनुवाद किया और भ्रामक ढंग से उनका अनुवाद किया। इसके हानिकारक प्रभाव आज भी महसूस किए जा रहे हैं, विशेष रूप से युवा भारतीय दिमागों पर। आज की दुनिया में, वामपंथी तंत्र शक्तिशाली एआई की विशेषताओं का उपयोग करके महान भारतीय ज्ञान को और अधिक विकृत कर सकता है, जिससे भावी पीढ़ियों के दिमाग में भारत की अवधारणा के खिलाफ जहर घोला जा सके।

सोशल मीडिया ने सनातन धर्म के विकास के लिए विश्वव्यापी मंच स्थापित किया है। वैदिक दर्शन, योग और सनातन धर्म पर ध्यान केंद्रित करने वाले विभिन्न पृष्ठ, समूह और प्रभावक दुनिया भर से समान हित वाले व्यक्तियों को एक साथ ला रहे हैं। ये ऑनलाइन रिक्त स्थान आभासी सत्संग में विकसित हो रहे हैं, जहां समकालीन जिज्ञासा के साथ कालातीत ज्ञान को जोड़ा जा रहा है। कई लोगों के लिए ये प्लेटफॉर्म एक प्रवेश बिंदु के रूप में कार्य करते हैं, जो सनातन दर्शन के विशाल क्षेत्र में रुचि को उजागर करते हैं। यह दर्शाता है कि तकनीक आधुनिक दुनिया में प्राचीन शिक्षाओं की पहुंच और प्रासंगिकता को कैसे बढ़ा सकती है।

सनातन धर्म हमें धर्म सिखाता है- यानी सही ढंग से जीने और नैतिक नियमों का पालन करने का कर्तव्य। यही बात नैतिक प्रोग्रामिंग में भी लागू होती हैः एआई बनाने वालों को ऐसे सिस्टम बनाने चाहिए जो नैतिकता से काम करें और किसी को नुकसान न पहुँचाएँ। आजकल ऐसे एआई बनाने पर ज़ोर दिया जा रहा है जो निष्पक्षता, न्याय और सबकी भलाई के लिए नैतिक नियमों का पालन करें; यह मूल रूप से धर्म के सही आचरण के सिद्धांतों के अनुरूप है। इस नज़रिए से देखें तो एआई में नैतिक कर्तव्य एक यज्ञ की तरह है। जो लोग एआई बनाते और लागू करते हैं, उनकी यह ज़िम्मेदारी है कि वे इन तकनीकों को ज़िम्मेदारी, पारदर्शिता और मानवता की सेवा की भावना के साथ विकसित करें। जैसे यज्ञ ब्रह्मांड में संतुलन बनाए रखता है, वैसे ही एआई को भी सबकी भलाई और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए बनाया जाना चाहिए। आजकल डेटा की सुरक्षा केवल फ़ायरवॉल और पासवर्ड जैसे तकनीकी बचाव तक सीमित नहीं है- यह असल में मूल्यों से जुड़ी बात है। कई मायनों में, आज की साइबर सुरक्षा की सोच सनातन धर्म और भगवद्गीता की शिक्षाओं को दर्शाती है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

थकान के बावजूद नींद न आए तो लाइफस्टाइल में परिवर्तन करना जरूरी

सामान्यत: दिनभर काम करने के बाद लोगों को अक्सर नींद जल्दी और अच्छी आती है। लेकिन, यह हर किसी के साथ नहीं होता है। कुछ लोगों का शरीर थका हुआ महसूस करता है लेकिन, उसके बाद भी उनको पर्याप्त या अच्छी नींद नहीं आ पाती है। दरअसल, समय के साथ बदलती जीवनशैली इसकी एक बड़ी वजह मानी जा सकती है। डॉक्टर अमीर नदीम (कंसल्टेंट, रिजेंसी हॉस्पिटल गोरखपुर) बताते हैं कि जब व्यक्ति का शरीर थका रहता है और उसका माइंड एक्टिव स्टेज पर होता है तो उसको अच्छी तरह से सोने में परेशानी होती है या कई मामलों में सोना इतना मुश्किल हो जाता है कि घंटों बेड पर लेटने के बाद भी व्यक्ति को नींद नहीं आती ।

इसके पीछे मानसिक तनाव सबसे आम कारणों में से एक है। काम, पैसे, रिश्तों या निजी समस्याओं से जुड़ी चिंता दिमाग को हमेशाएक्टिव मोड में रखती है। भले ही शरीर थका हुआ हो, दिमाग लगातार विचारों को प्रोसेस करता रहता है, जिससे आराम करना मुश्किल हो जाता है। देर रात तक मोबाइल फोन, लैपटॉप का इस्तेमाल करना या टेलीविजन देखना नींद की क्वालिटी को खराब कर सकता है। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी मेलाटोनिन (नींद को नियंत्रित करने वाले हार्मोन) के उत्पादन को दबा देती है।

सोने की अनियमित आदत: सोने की अनियमित आदतें शरीर की आंतरिक घड़ी को भ्रमित कर सकती हैं। कुछ दिन देर से सोना और कुछ दिन जल्दी उठना शरीर की जैविक घड़ी पर असर डालते हैं। शिफ्ट में काम करना, देर रात तक पढ़ाई करना या सोने के समय की अनियमित दिनचर्या शरीर को नींद का एक स्वस्थ पैटर्न विकसित करने से रोकती है। इससे दिन के समय थकावट हो सकती है और रात में सोने में कठिनाई महसूस होती है। चाय, कॉफी, एनर्जी ड्रिंक्स और कुछ दवाओं में ऐसे स्टीम्यूलेंट्स होते हैं जो शरीर को कई घंटों तक एक्टिव रख सकते हैं।

स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं: एंग्जाइटी डिसऑर्डर, डिप्रेशन, स्लीप एपनिया, थायरॉइड, पेन, रेस्टलेस लेग सिंड्रोम जैसी कुछ स्वास्थ्य समस्याएं आपकी नींद को प्रभावित कर सकती हैं। इसके अलावा हार्मोनल असंतुलन और पाचन संबंधी समस्याएं भी नींद की क्वालिटी को खराब कर सकती हैं। इन समस्याओं में शरीर थकावट तो महसूस करता है, लेकिन इसके बावजूद बेहतर नींद नहीं आती है।

नींद की समस्या को दूर करने के लिए सोने और जागने का एक निश्चित पैटर्न बनाएं और उसे फॉलो करें। सोने से पहले कैफीन युक्त ड्रिंक्स का सेवन न करें। सोने से पहले मोबाइल, लैपटॉप, टीवी आदि का इस्तेमाल न करें। जहां पर आप सोते हैं उस जगह को ठंडा और शांत रखें। सोने वाले कमरे की लाइट हल्की रखें। रोजाना सुबह व शाम के समय मेडिटेशन करें।

सुविचार

जिस काम को करने में डर लगता है, उसको करके दिखाना ही साहस कहलाता है। -अज्ञात

निशाना

आप बड़े और छोटे हम..!

बाबूलाल कदम

आप बड़े और छोटे हम
आप खरे और खोटे हम।
ऊँचे आसन आप विराजे
चरण-रजों में लोटे हम।
भिक्षुक भी धनवान हुए हैं
मेहनतक़श के टोटे हम ।
मुख सम्मुख रहाअपना ही
पहनते नहीं मुखौटे हम।।
पढ़ पाए न पीर पराई
ग्रंथ बाँच गए मोटे हम।
ख़ूब परखो सोने जैसा
आपसे कम हैं खोटे हम।

टेक्नो अपडेट

श्रीधर वेम्बु का भारत को बड़ा तोहफा, बिजली की कम खपत वाला नया सर्वर लॉन्च

जोहो सर्वर ऐप से दुनियाभर में भारत को पहचान दिलाने वाले श्रीधर वेम्बु की कंपनी ने भारत को खास तोहफा दिया है। दरअसल कंपनी ने पूरी तरह से स्वदेशी सर्वर नाथू ला बनाया है, जो कि कंपनी के नागपुर सेंटर में कॉलेज फ्रेशर और इंटेल की टीम के साथ मिलकर बनाया है। इसकी वजह से डेटा सेंटर की लागत और रखरखाव काफी सस्ता हो जाएगा। अभी तक सिर्फ सॉफ्टवेयर पर आधारित 'श्रद्धश कंपनी ने अपना पहला स्वदेशी सर्वर प्लेटफॉर्म 'नाथू ला' लॉन्च किया है। इसके बाद 'श्रद्धश अब्र द्व और डेटा सेंटर के भारी खर्च को कम कर सकेगी। देश में बना यह पहला स्वदेशी सर्वर विदेशी टेक कंपनियों के दबदबे को सीधी चुनौती देगा।

फ्रेशर्स ने रचा इतिहास: नाथू ला नाम के इस स्वदेशी सर्वर को बेंगलुरु या चेन्नई जैसे किसी बड़े टेक हब में नहीं बल्कि Zoho के नागपुर सेंटर में डिजाइन किया गया है। इसके अलावा इसे बनाने वाली टीम में भी बड़े टेक एक्सपर्ट नहीं थे। सेतु प्रोग्राम से जुड़े कॉलेज के फ्रेशर इंजीनियर्स ने इंटेल की टीम के साथ मिलकर इस सर्वर को तैयार किया है। सर्वर की एक खास बात और है कि इसमें इंटेल के सबसे लेटेस्ट Intel Xeon 6 प्रोसेसर का इस्तेमाल हुआ है।

इस सर्वर का नाम नाथू ला रखने के पीछे भी एक बड़ी वजह है। दरअसल यह नाम हिमालय के मशहूर और रणनीतिक पहाड़ी दर्रे 'नाथू ला' के नाम पर रखा गया है, जो इसकी मजबूती को दर्शाता है। दरअसल Zoho इस सर्वर को बेचेगी नहीं बल्कि इसे खुद के 16 ग्लोबल डेटा सेंटर्स में इस्तेमाल करेगी। कंपनी का कहना है कि कंप्यूटिंग में तकनीक पर अपना कंट्रोल होना बेहद जरूरी है। Zoho ने फिलहाल ऐसे कुछ सौ सर्वर तैनात किए हैं, जिनकी संख्या साल के आखिर तक 2000 तक हो जाएगी।

स्वदेशी सर्वर का फायदा क्या?: दरअसल AI और डेटा सेंटर को चलाने में सबसे बड़ा खर्च बिजली और इंफ्रास्ट्रक्चर का आता है। Zoho का कहना है कि नाथू ला सर्वर किसी आम सर्वर से 12-18 फीसदी तक कम बिजली खाएगा। इसके अलावा सर्वर के रखरखाव की कुल लागत में भी 20 से 30% की बचत होगी। गौरतलब है कि ऐसा तब है जब AI की वजह से सर्वर के दाम पहले ही 3 से 4 गुना बढ़ चुके हैं। ऐसे में Zoho का स्वदेशी सर्वर गेमचेंजर साबित होगा।

वायरल कंटेंट

83 की उम्र तक दादी ने संभाला घर-परिवार, अब सोलो ट्रिप का ले रहीं आनंद

उम्र सिर्फ एक संख्या है, यह बात 83 वर्षीय रूसी दादी एलेना एरखोवा ने साबित कर दी है। सोशल मीडिया पर इन दिनों उनकी सोलो ट्रिप की तस्वीरें और कहानी खूब वायरल हो रही है। लोग उन्हें 'क्क्कड्ड स्द्गठ्ठ' नाम से जानते हैं और उनकी हिम्मत देखकर प्रेरित हो रहे हैं।

साइबेरिया की रहने वाली एलेना एरखोवा ने 83 साल की उम्र में वो फैसला लिया जिसके बारे में ज्यादातर लोग सोच भी नहीं सकते। उन्होंने दुनिया घूमने का सपना पूरा करने के लिए सोलो ट्रिप शुरू कर दी। वो अकेले ही देश-विदेश घूम रही हैं और हर पल का भरपूर आनंद ले रही हैं।

एलेना का जीवन आसान नहीं रहा। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध देखा, हार्वेस्टर के रूप में काम किया, अकेले बेटी को पाला और ज्यादातर जिंदगी पैसों की कमी में गुजारी। ट्रैवलिंग उनके लिए दूर का सपना थी। लेकिन 83 साल में उन्होंने फैसला किया कि अब और इंतजार नहीं कर सकती। पेंशन से पैसे बचाए, फूल बेचे, बुने हुए सामान बेचे और यात्रा शुरू कर दी। अब तक वे जर्मनी, इटली, थाईलैंड, वियतनाम, तुर्की, इजराइल और मंगोलिया समेत कई देश घूम चुकी हैं। ऊंट की सवारी की, मोटरसाइकिल चलाई और राफ्टिंग भी की। उनकी तस्वीरें देखकर कोई यकीन नहीं कर पाता कि यह महिला 83 साल की है। जब उनसे पूछा गया कि इतनी उम्र में यात्रा शुरू करने का फैसला क्यों लिया, तो उनका जवाब बेहद सटीक था - उनका कहना है कि जिंदगी कभी खत्म नहीं होती। उम्र सिर्फ शरीर की होती है, सपनों की नहीं।

दे रही लोगों को प्रेरणा: सोशल मीडिया पर उनकी स्टोरी लाखों लोगों तक पहुंच चुकी है। लोग कमेंट्स में लिख रहे हैं- 'सच्ची प्रेरणा', '83 में भी इतनी एनर्जी, रिस्पेक्ट', 'मेरी दादी को दिखाऊंगा'। कई युवा कह रहे हैं कि बाबा लेना ने उन्हें सिखाया कि सपने देखने की कोई उम्र नहीं होती है। एलेना की यह यात्रा सिर्फ घूमने की नहीं है, यह उन सभी बुजुर्गों के लिए संदेश है जो सोचते हैं कि अब उनका समय बीत गया है। उन्होंने दिखाया कि पैसे, समय और हिम्मत हो तो किसी भी उम्र में नई शुरुआत की जा सकती है। भारत में भी उनकी कहानी चर्चा में है। कई लोग कह रहे हैं कि भारतीय बुजुर्ग भी ऐसे साहस दिखाएं तो समाज की सोच बदलेगी। आजकल बुजुर्गों को अक्सर घर तक सीमित रख दिया जाता है, लेकिन बाबा लेना जैसे उदाहरण साबित करते हैं कि जीवन का आनंद किसी भी उम्र में लिया जा सकता है। एलेना की बेटी और परिवार भी उनकी इस हिम्मत पर गर्व करता है। उन्होंने बताया कि मां ने हमेशा परिवार के लिए सब कुछ त्याग दिया, अब उनकी बारी है खुद को जीने की।

न्यूज विंडो

नर्मदापुरम पुलिस: 11 निरीक्षक समेत 27 कर्मियों के हुए तबादले

नर्मदापुरम। जिले के पुलिस विभाग में बुधवार देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया। पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा थोटा ने 11 निरीक्षकों, 2 उप निरीक्षकों सहित कुल 27 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादला आदेश जारी किए। इस बदलाव को पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। फेरबदल के तहत इटारसी थाना प्रभारी निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला को कोतवाली थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि कोतवाली थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर को माखननगर थाने का प्रभारी बनाया गया है। देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे को इटारसी भेजा गया है तथा रक्षित केंद्र में पदस्थ निरीक्षक उषा मरावी को देहात थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार सोहागपुर थाना प्रभारी राहुल रायकवार को केसला थाना प्रभारी बनाया गया है। उनकी जगह पिपरिया मंगलवारा थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी को सोहागपुर की जिम्मेदारी दी गई है। निरीक्षक आदित्य सेन को पिपरिया, मदनलाल पवार को स्टेशन रोड पिपरिया, राखी मौर्य को महिला थाना तथा सुरेखा निमोदा को पचमढ़ी थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। पचमढ़ी थाना प्रभारी पदम सिंह को पुलिस लाइन भेजा गया है। साइबर सेल को मिला नया प्रभारी माखननगर में पदस्थ उप निरीक्षक आकाशदीप पचाया को साइबर सेल का प्रभारी बनाया गया है। वहीं उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह कुशवाह को सोहागपुर थाना भेजा गया है। सहायक उप निरीक्षक देवीराम उईके को अजाक थाना, लक्ष्मण चावरे को कंट्रोल रूम, माखन सिंह कटारे को यातायात थाना, रामराव उईके को देहात थाना, सुरेंद्र मालवीय को कोतवाली, मकसूद खान को इटारसी तथा दिनेश चंद्र पाल को सेमरी हरचंद चौकी में पदस्थ किया गया है। एसपी द्वारा जारी आदेश में 10 प्रधान आरक्षक और 6 आरक्षकों की पदस्थापना भी बदली गई है।

मेंटेनेंस वर्क की पोल खोलता ट्रांसफार्मर पूरी तरह पौधों और झाड़ियों से घिरा

सिरोंज। बिजली कंपनी के मेंटिनेंस वर्क की पोल खोलती यह तस्वीर शहर के वार्ड 20 की है। वार्ड में स्थित बिल्वेश्वर महादेव मंदिर से मुक्तिधाम मार्ग की ओर जाने वाली सड़क पर बिजली का यह ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। इस ट्रांसफार्मर को पूरी तरह से पेड़-पौधों और झाड़ियों ने घेर रखा है। करीब 25 फीट ऊंचे बिजली के खम्भों के सहारे खड़े ट्रांसफार्मर का ऐसा कोई भी हिस्सा नहीं है कि जहां तक झाड़ियां न पहुंची हो। ये इतनी खतरनाक स्थित है कि यदि ट्रांसफार्मर से चिंगारी भी निकले तो इससे निकली आग न जाने कहां तक पहुंचेगी कहा नहीं जा सकता। इसके बाद भी बिजली कंपनी के अफसरों को कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा। वे सिर्फ बिजली कटौती और वसूली में ही व्यस्त है। इस क्षेत्र के पार्षद फारूख गौरी ने बताया कि पल-पल में बिजली कटौती और उपभोक्ताओं से मनमानी वसूली करने वाली बिजली कंपनी को इतनी खतरनाक स्थित क्यों नहीं दिखाई दे रही यह समझ से परे है। ट्रांसफार्मर को देखकर ऐसा लगता है कि महीनों के बजाय सालों से इसकी सफाई ही नहीं हुई है।

लूट की वारदात में खुलासा, दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

राजगढ़। पुलिस ने एक अन्य लूट के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हजारों की नगदी, मोबाइल और अन्य सामग्री को जप्त किया है। 28 जून को फरियादी राजवीर मालवी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसमें अज्ञात बदमाशों ने उनसे 70 हजार की नगदी, मोबाइल फोन और जरुरी दस्तावेज लूट लिए थे, पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की थी। पुलिस टीम तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर के सूचना तंत्र के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही थी, इसी बीच 10 जून को प्रकरण में संलिप्त दो आरोपियों मुकेश पिता धुंधरा और बबलू उर्फ बाबू पिता वीरसिंह दोनों निवासी कालीदेवी थाना टांडा को गिरफ्तार कर लिया। जालमसिंह पिता नेदिया और नेहरू पिता खेलूं फरार है। पूछताछ में आरोपियों द्वारा लूट की घटना करना स्वीकार किया गया।टीम ने आरोपियों के कब्जे से फरियादी का मोबाइल फोन, आधार कार्ड, स्मार्ट कार्ड एवं नगद राशि बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेजा गया। पुलिस को आरोपी मुकेश का पुराना रिकॉर्ड भी मिला है जिसमें वह अन्य अपराधों में भी फरार था। उक्त कार्यवाही में उपनिरीक्षक कीर्तन नायक, निहालसिंह दंडोतिया, सहायक उपनिरीक्षक सैयद अहमद, सुनील राजपूत, रईस पठान, प्रधान आरक्षक विपिन कटारा, आरक्षक दिलीप, अंकित, अमर, सुभाष एवं अमित की सराहनीय भूमिका रही।

निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक में उतरे दो सगे भाइयों की मौत

बैतूल। जिले के मुलताई नगर में निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक के भीतर उतरने के बाद दो सगे भाइयों की जान चली गई, जबकि एक अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मुलताई के भगत सिंह वार्ड स्थित एक मकान में सेप्टिक टैंक का निर्माण कार्य चल रहा था। बुधवार शाम कार्य के दौरान एक मजदूर टैंक के भीतर उतरा, लेकिन काफी देर तक बाहर नहीं आया। उसकी चिंता होने पर उसका भाई उसे देखने के लिए अंदर गया, लेकिन वह भी बाहर नहीं निकल सका। दोनों के काफी समय तक बाहर नहीं आने पर उनके साथ मौजूद एक अन्य मजदूर ने स्थिति का पता लगाने की कोशिश की। उसने टैंक के अंदर झांककर देखा तो दोनों अचेत अवस्था में पड़े थे। मदद के लिए आवाज लगाने के दौरान उसकी भी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए तीनों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों भाइयों को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीसरे मजदूर की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी अस्पताल पहुंचे तथा मामले की जानकारी ली। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि लंबे समय से बंद पड़े टैंक के भीतर ऑक्सीजन की कमी या जहरीली गैस के जमा होने के कारण मजदूरों का दम घुट गया। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही हो सकेगी।

नर्मदापुरम संभाग के जिला सहकारी बैंकों की विभागीय समीक्षा बैठक

कृषक कल्याण वर्ष में 10 लाख किसानों को सहकारिता से जोड़ने का लक्ष्य: महेंद्र सिंह यादव

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

अपैक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने बुधवार को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक नर्मदापुरम के सभागार में नर्मदापुरम संभाग के जिला सहकारी बैंकों की विभागीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं में सदस्यता वृद्धि अभियान, खरीफ 2026 के लिए किसानों को ऋण वितरण, खाद उपलब्धता तथा बैंकिंग लक्ष्यों की समीक्षा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। किसानों को सहकारिता से जोड़ने तथा उन्हें शून्य प्रतिशत ब्याज सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से 14 अप्रैल से 30 जून 2026 तक प्रदेशभर में 10 लाख किसानों को सदस्य बनाने का महाअभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने समिति प्रबंधकों को सदस्यता बढ़ाने के लिए सक्रिय प्रयास करने तथा जिला बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को इसकी सतत निगरानी करने के निर्देश दिए। यादव ने कहा कि सहकारी बैंकों की मजबूती के लिए ऋण वसूली पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी वसूली कार्य में गंभीरता से जुटें, ताकि सहकारी आंदोलन को और मजबूत बनाया जा सके।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान का उल्लेख करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। साथ ही किसानों को मन की बात कार्यक्रम से जोड़ने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने पर भी जोर दिया। बैठक में खरीफ 2026 के दौरान किसानों को खाद वितरण में किसी प्रकार की समस्या न आने देने के निर्देश दिए गए। श्री यादव ने कहा कि समितियों के माध्यम से किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शाखा प्रबंधकों एवं अधिकारियों को बैंक द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि शासन स्तर पर किसी प्रकार की व्यावहारिक समस्या हो तो उसे उनके संज्ञान में लाया जाए, ताकि उसके निराकरण के लिए आवश्यक पहल की जा सके। बैठक का संचालन संभागीय शाखा प्रबंधक अशोक चंदेल ने किया। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक नर्मदापुरम के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय प्रकाश सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में अपैक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव का शाल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर ओएसडी अभय प्रधान, संभागीय शाखा प्रबंधक अशोक चंदेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय प्रकाश सिंह, बैतूल की सीईओ सुश्री परिधि अग्रवाल, नोडल अधिकारी सहित नर्मदापुरम एवं हरदा जिले के सभी शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

मंगला एक्सप्रेस में मोबाइल चोरी का विरोध करने पर दो यात्रियों पर चाकू से किया हमला

नर्मदापुरम/इटारसी। दोपहर मेट्रो

मंगला एक्सप्रेस के जनरल कोच में मोबाइल चोरी का विरोध करना दो यात्रियों को भारी पड़ गया। बदमाशों ने पहले यात्रियों को गप्पा गेम के नाम पर जुए का लालच दिया, फिर मोबाइल चोरी कर ली और विरोध करने पर चाकू से हमला कर फरार हो गए। घटना बुधवार रात बुदनी के जंगल क्षेत्र में चलती ट्रेन में हुई। हमले में दो यात्री घायल हो गए, जिन्हें इटारसी स्टेशन पहुंचने पर जीआरपी ने उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार छतरपुर निवासी विपिन राजपूत और मनोज राजपूत अपने रिश्तेदारों के साथ मुंबई जा रहे थे। भोपाल से ट्रेन रवाना होने के बाद जनरल कोच में सवार सात से आठ युवकों ने यात्रियों को जुए के खेल में फंसाने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी दौरान बदमाशों ने विपिन का मोबाइल फोन चोरी कर लिया। जब विपिन और उसके साथियों ने आरोपियों का वीडियो बनाना शुरू किया तो वे आक्रोशित हो गए। घायलों के मुताबिक ट्रेन जब बुदनी के जंगल क्षेत्र से गुजर रही थी, तब आरोपियों ने चेन पुलिंग कर ट्रेन रुकवा दी। इसके बाद मोबाइल वापस दिलाने का झांसा देकर उन्होंने विपिन और मनोज को अपने पास बुलाया और चाकू से हमला कर दिया। हमले में विपिन के हाथ और पेट के पास गंभीर चोटें आईं, जबकि मनोज के सिर में चोट लगी है। वारदात के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कोच में बड़ी संख्या में यात्री मौजूद थे, लेकिन घटना के दौरान कोई भी बीच-बचाव के लिए आगे नहीं आया। घायल यात्रियों और उनके साथियों ने ही किसी तरह खुद को हमलावरों से बचाया। जीआरपी थाना प्रभारी संजय चौकसे ने बताया कि घटना चलती ट्रेन में हुई है। प्रारंभिक जांच में वारदात का स्थान बुदनी के जंगल क्षेत्र का सामने आया है। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। घायलों द्वारा उपलब्ध कराए गए वीडियो के आधार पर संदिग्धों की पहचान की जा रही है। मामले की डायरी भोपाल भेजी जाएगी तथा आरोपियों की तलाश जारी है।

कलेक्टर कार्यालय के सामने दिया धरना, उपवास कर किया विरोध प्रदर्शन

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर राज्यसभा चुनाव में मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर के सामने धरना देकर उपवास कर विरोध प्रदर्शन कांग्रेस के कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने किया। इस मौके पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए एवं अन्याय के विरोध में हम विरोध प्रकट कर रहे हैं। क्योंकि भाजपा, प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के दबाव में आकर रिटर्निंग अधिकारी ने मीनाक्षी नटराजन का फॉर्म निरस्त किया है। इस कार्रवाई से खुलेआम लोकतंत्र की हत्या की गई है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कहा कि देश के सभी कानून के जानकार , विशेषज्ञ इस कार्रवाई को गलत बता रहे हैं। परंतु अफसोस है कि निर्वाचन आयोग लगातार चुनाव में लूट मचाए हुए है। पूर्व विधायक सुनील जायसवाल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी,जिला कांग्रेस संगठन मंत्री दीवान शैलेंद्र सिंह ने कहा कि इस अनुचित करवाई का हम गांधीवादी तरीके से विरोध करेंगे और पार्टी नेतृत्व सुप्रीम कोर्ट तक जाएगा। इस अवसर पर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीष साहू, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धनीराम पटेल,नगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित पटेल, जिला पंचायत सदस्य मोना कौरव, जनपद उपाध्यक्ष कंछेदी पटेल, नपा नेता प्रतिपक्ष रूद्रेश तिवारी , प्रदेश सचिव नगरीय निकाय प्रकोष्ठ अस्सू नेमा, जिला सेवादल अध्यक्ष अतुल चौरसिया,जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष विवेक पटेल, जिला एन एस यू आई अध्यक्ष ईशान राय, युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव जितेंद्र लोधी के साथ बड़ी संख्याओं कांग्रेस के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

घर के बाहर सो रहे युवक की हत्या माता -पिता घायल; घर में लगाई आग

रतलाम। दोपहर मेट्रो

जिले के ग्राम खेरियापाड़ा में एक महिला के घर से बगैर बताए जाने के विवाद में उसके पति ने अपने साथियों के साथ मिलकर 35 वर्षीय युवक की हत्या कर दी। मृतक के माता-पिता बीचबचाव करने आए तो उनके साथ भी मारपीट की गई। इससे वे दोनों घायल हो गए। घायल माता-पिता का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। वहीं आरोपियों ने युवक के घर तोड़फोड़ कर आग भी लगा दी। पुलिस के अनुसार 24 वर्षीय एक विवाहिता 4 जून 2026 को घर पर बताए बगैर कहीं चली गई थी। परिजन ने खोजबीन की लेकिन वह नहीं मिली तो 6 जून को शिवगढ़ थाने पर गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पता चला कि महिला 18 वर्षीय ओमप्रकाश पिता रमेश मईड़ा निवासी ग्राम खेरियापाड़ा के साथ गई थी। इस बात को लेकर महिला के पति व उसके साथियों में आक्रोश था। उन्हें शंका थी कि ओमप्रकाश उसके चचेरे भाई मानसिंह पिता ओंकार मईड़ा के घर छिपा हो सकता है। इस पर मुख्य आरोपी जयसिंह पिता कैलाश मईड़ा अपने साथियों के साथ 9 व 10 जून की दरमियानी रात करीब 11 बजे मानसिंह के घर पहुंचे। मानसिंह घर के बाहर पलंग पर सोया हुआ था।

किराएदार बनकर आए बदमाशों ने 92 वर्षीय रिटायर्ड अफसर को बनाया बंधक, जेवर लूटकर हुआ फरार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शहर के शांतिनगर क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक सनसनीखेज लूट की वारदात सामने आई। किराएदार बनकर आए तीन-चार बदमाशों ने 92 वर्षीय रिटायर्ड अधिकारी के घर में घुसकर उन्हें बंधक बना लिया और सोने-चांदी के जेवर लूटकर फरार हो गए। घटना देहात थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, लोक निर्माण विभाग से एसडीओ पद से सेवानिवृत्त एन.के. गोयल शांतिनगर स्थित अपने घर में अकेले रहते हैं। बुधवार दोपहर करीब 2.30 बजे कुछ युवक उनके घर पहुंचे और मकान किराए पर लेने की बात कहकर दरवाजा खुलवाया। जैसे ही गोयल ने दरवाजा खोला, युवक जबरन घर में घुस गए। आरोपियों ने बुजुर्ग के हाथ-पैर गमछे से बांध दिए और शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी। बदमाशों ने नकदी के बारे में पूछताछ की। पैसे नहीं होने पर उनके साथ मारपीट की और गला दबाकर डराने का प्रयास किया। इसके बाद उनके गले की सोने की चेन, सोने-चांदी की अंगूठियां और चांदी का कड़ा उतरवा लिया।

बताया गया है कि एक बदमाश हथियार लेकर बुजुर्ग की निगरानी करता रहा, जबकि अन्य आरोपी करीब 40 मिनट तक घर में तलाश करते रहे। उन्होंने अलमारी और लोहे की पेटी के ताले तोड़कर सामान बिखेर दिया तथा एक कीपैड मोबाइल भी साथ ले गए। लूटे गए सामान की कीमत करीब एक लाख रुपये बताई जा रही है। बदमाशों के जाने के बाद एन.के. गोयल ने किसी तरह अपने बंधन खोले और बाहर निकलकर पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। एन.के. गोयल वर्ष 1994 में पीडब्ल्यूडी से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी पत्नी का निधन वर्ष 2000 में हो चुका है। घटना के बाद उन्होंने अपने बेटे दिनेश गोयल को सूचना दी। रात में वे बेटे के साथ उसके घर चले गए, जबकि शांतिनगर स्थित मकान पर ताला लगा दिया गया है। पुलिस आसपास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

मेट्रो एंकर — विधायक उमाकांत शर्मा ने शिव मंदिर में किया पूजन-अर्चन

पीएम मोदी की सरकार के 12 साल पूरे होने पर आयोजन

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र के प्रधानमंत्री पद पर लगातार 4399 दिन पूर्ण होने के साथ ही देश के सबसे लंबे समय तक निरंतर निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नया कीर्तिमान स्थापित करने पर सिरोंज शहर में पचकुईया स्थित नर्मदेष्वर मंदिर, रामलला सरकार, साहू समाज मंदिर, रविदास मंदिर, भोले नाथ मंदिर, मंशापूरन मंदिर सहित अन्य स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसी क्रम में बुधवार को विधायक उमाकांत शर्मा, पचकुईया स्थित शिव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान शिव नर्मदेश्वर जी की पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सफल नेतृत्व की कामना की। इस अवसर पर विधायक शर्मा ने मोदी जी के प्रधानमंत्री कार्यकाल को 12 वर्ष पूर्ण होने पर 12 कन्याओं का पूजन भी किया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री के ऐतिहासिक कार्यकाल की उपलब्धियों पर चर्चा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यकाल भारत के लिए स्वर्णिम काल साबित हुआ है। उनके नेतृत्व में देश ने विकास, सुरक्षा, आधारभूत संरचना, जनकल्याण और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की अनेक जनहितैषी योजनाओं का सीधा लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच रहा है। विधायक शर्मा ने कहा कि आज भारत वैश्विक स्तर पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। देश की सुरक्षा और सामरिक शक्ति में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है तथा आतंकवाद के विरुद्ध भारत ने दृढ़ इच्छशक्ति का परिचय दिया है। कार्यक्रम मे समाज की वरिष्ठ महिलाओं को सम्मान देते हुए रामेती बाई एवं नारनी बाई को मुख्य अतिथि बनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान शिव के पूजन-अर्चन से हुआ। इस दौरान उपस्थित ब्राह्मणों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंगलमय जीवन एवं देश की उन्नति के लिए विशेष प्रार्थना की गई। इस अवसर पर धर्माचार्य नालिनीकांत शर्मा , वरिष्ठ समाजसेवी रघुनंदन शर्मा, राजेन्द्र बैरागी, रमेश यादव, मनोज साईंनाथ, मूलचंद नेमा, विष्णू गर्ग हेमराज कुषवाह , कृष्णा शाक्य, माया बाई कुषवाह , केषरी अहिरवार , सहित बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में टीकाराम शाक्य ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। साथ ही कार्यकर्ताओं द्वारा आतिशबाजी कर हर्षोल्लास के साथ प्रधानमंत्री के ऐतिहासिक कार्यकाल का उत्सव मनाया गया।

न्यूज विंडो

प्रेरणा कार्यक्रम में कक्षा 9वीं के छात्र कृष्णा नेमा का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

नरसिंहपुर। सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर के कक्षा 9वीं के छात्र कृष्णा नेमा ने प्रेरणा कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होकर विद्यालय एवं जिले का गौरव बढ़ाया है। कृष्णा नेमा को जनवरी 2026 में आयोजित प्रतियोगिता हेतु नवोदय विद्यालय बोहानी भेजा गया था, जहां प्रतिभा और रचनात्मक प्रस्तुति के आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ।

नवोदय विद्यालय बोहानी के प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार तिवारी द्वारा बताया गया कि कृष्णा नेमा जुलाई 2026 में गुजरात राज्य स्थित प्रधानमंत्री के गृह ग्राम में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देंगे। इस उपलब्धि पर प्राचार्य प्रभात मिश्रा सहित विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए छात्र को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। यह सफलता विद्यार्थियों के लिए मेहनत, प्रतिभा और नवाचार की प्रेरणा बनेगी।

शासकीय विद्यालय झलौन में विद्यार्थियों को वितरित की साइकिलें

तेंदूखेड़ा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झलौन में नवीन शैक्षणिक सत्र के अंतर्गत नवप्रवेशी विद्यार्थियों को शासन की योजना के तहत आज निशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। साइकिल प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम में ग्राम सेहरी के सरपंच सत्यनारायण, झलौन उपसरपंच राजेश सिंह एवं विद्यालय के प्राचार्य अशोक साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक रूप सिंह ठाकुर, गुड्डू बेन, प्रेम सिंह ठाकुर, योगेश प्रजापति, दिनेश जैन सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आसपास के ग्रामों के गणमान्य नागरिकों ने भी सहभागिता निभाई। अतिथियों ने कहा कि शासन की यह योजना ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा प्रदान करेगी तथा शिक्षा के प्रति उनकी रुचि और नियमितता को बढ़ावा देगी। कार्यक्रम का सफल आयोजन विद्यालय परिवार के सहयोग से संपन्न हुआ।

नगर में अतिक्रमण पर चली प्रशासन की जेसीबी

अमरकंटक। कलेक्टर के निर्देश पर अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने वार्ड क्रमांक 14 में 22 अवैध अतिक्रमण हटाने का दावा किया है। कार्रवाई के तहत 15 बाड़ियां, 4 झोपड़ियां और 3 कच्चे मकान हटाए गए तथा शासकीय भूमि को मुक्त कराया गया। हालांकि इस कार्रवाई के बाद स्थानीय लोगों के बीच यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सभी क्षेत्रों में समान रूप से की जा रही है? लोगों का आरोप है कि जैन मंदिर क्षेत्र और आसपास शासकीय भूमि पर वर्षों से मौजूद निर्माणों और कब्जों पर प्रशासन की नजर क्यों नहीं पड़ रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि प्रशासन वास्तव में अमरकंटक को अतिक्रमण मुक्त बनाना चाहता है तो कार्रवाई केवल गरीबों की झोपड़ियों तक सीमित न रहकर हर प्रकार के अवैध कब्जों पर समान रूप से होनी चाहिए।

स्कूलों में हैंडवॉश यूनिट नहीं जहां बने वहां पानी का संकट

अनूपपुर। जिले के सरकारी स्कूलों में स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं की हकीकत चिंताजनक नजर आ रही है। जिले के 1091 प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में से 95 स्कूल ऐसे हैं जहां आज तक हैंडवॉश यूनिट का निर्माण नहीं हो सका है। वहीं जिन स्कूलों में हैंडवॉश यूनिट बनाई गई है, वहां पानी की उपलब्धता नहीं होने से वे उपयोगहीन साबित हो रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार कई विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को भोजन से पहले और शौचालय उपयोग के बाद हाथ धोने की सुविधा तक नहीं मिल पा रही है। कोतमा, अनूपपुर और जैतहरी जनपद के कई स्कूलों में हैंडवॉश यूनिट अधूरी पड़ी है या पानी के अभाव में बंद है। कुछ विद्यालयों में बच्चों को हाथ धोने के लिए परिसर से बाहर जाना पड़ता है, जिससे स्वच्छता अभियान और मध्याह्न भोजन योजना के उद्देश्य प्रभावित हो रहे हैं।

12 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर किए धार्मिक आयोजन

दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं: भूपेन्द्रसिंह

सागर। दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल होने पर विधायकों ने मंदिरों में आयोजन किए। खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में समृद्धशाली, शक्तिशाली और सांस्कृतिक वैभव से गौरवान्वित भारत का निर्माण हो रहा है। उन्होंने आज भारत के इतिहास में निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबा निरंतर कार्यकाल का कीर्तिमान स्थापित किया है इसके लिए हम सभी कार्यकर्ता और जन-सामान्य ने भगवान श्री राम और श्री देव हनुमान जी के मंदिर में महाआरती, सुंदरकांड व हनुमान चालीसा का पाठ सहित विशेष पूजा की है। सिंह बांदरी स्थित हनुमान जी मंदिर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी का गत 4399 दिवस का कार्यकाल देश के लिए उपलब्धियों और सौभाग्य से भरा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और देश की जनता के लिए यह गौरव का अवसर है। खुरई विधानसभा क्षेत्र के हम सभी कार्यकर्ता और जनता द्य हम सभी भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं कि हमारे देश को एक विकसित भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी जैसा नेतृत्व इसी तरह से मिलता रहे। उन्होंने कहा कि मोदी के जीवन, उनकी जीवन पद्धति से हम सब कार्यकर्ताओं को प्रेरणा मिलती है। हम यह समझ सकते हैं कि कितना संघर्ष, निष्ठा, त्याग और समर्पण से भरा जीवन नरेंद्र मोदी जी का रहा है। एक अच्छे कार्यकर्ता के रूप में सफलता पूर्वक काम करते हुए वे उपलब्धियों के इस शिखर तक पहुंचे हैं उनकी यह यात्रा हम सब कार्यकर्ताओं की जानकारी में होना चाहिए। पूर्व मंत्री ने कहा कि वे सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा फालो किए जाने वाले नेता हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का आटोग्राफ लेने की इच्छा जताई थी। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी की मेक इन इंडिया जैसी नीतियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें बहुत ही चतुर और विश्व के उत्कृष्ट नेताओं में से एक बताया है।

परेड मंदिर में कराया आध्यात्मिक आयोजन

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनकल्याणकारी 12 वर्षीय कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सिद्ध हनुमान बब्बा परेड मंदिर, कैंट में झण्डा समर्पण, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एवं महाआरती का आयोजन संपन्न हुआ। इस आयोजन का नेतृत्व नरयावली विधायक इंजीनियर प्रदीप लारिया ने किया। लारिया ने मंदिर पहुंचकर भगवान हनुमान के श्रीचरणों में नमन किया तथा राष्ट्र की उन्नति, प्रदेश की समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर विधायक लारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने सेवा, सुशासन, सांस्कृतिक गौरव और विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। उनके स्वर्णिम कार्यकाल के उपलक्ष्य में आयोजित यह कार्यक्रम केवल उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प, सांस्कृतिक चेतना और जनसेवा के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

नगर में खुलेआम हो रहा अवैध शराब का विक्रय प्रशासन से कार्रवाई की मांग

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

तीर्थनगरी अमरकंटक, जिसे नर्मदा उद्गम और धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है, वहां अवैध रूप से शराब बिक्री होने के आरोप सामने आ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के ठेकेदार द्वारा निर्धारित दुकान के अलावा अमरकंटक के विभिन्न स्थानों पर अवैध रूप से शराब बेची जा रही है, जिससे क्षेत्र का धार्मिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार शराब की बिक्री नियमों के विपरीत कई स्थानों पर की जा रही है। आरोप है कि कुछ लोगों के माध्यम से मोहल्लों, दुकानों और अन्य स्थानों पर शराब पहुंचाई जा रही है, जिससे युवाओं और श्रद्धालुओं पर गलत प्रभाव पड़ रहा है। अमरकंटक देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में पर्यटक एवं नर्मदा परिक्रमा यात्री पहुंचते हैं। ऐसे में खुलेआम शराब बिक्री से नगर की छवि धूमिल हो रही है। नागरिकों ने मांग की है कि आबकारी विभाग, पुलिस प्रशासन एवं जिला प्रशासन संयुक्त रूप से जांच कर अवैध शराब बिक्री पर तत्काल रोक लगाए। साथ ही यह भी मांग की गई है कि यदि किसी ठेकेदार या उसके एजेंटों द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है तो उनके खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाए। स्थानीय सामाजिक संगठनों का कहना है कि धार्मिक नगरी की गरिमा बनाए रखने के लिए प्रशासन को नियमित जांच अभियान चलाना चाहिए, ताकि अवैध शराब कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। अमरकंटक मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की प्रमुख तीर्थनगरी है और नर्मदा नदी का उद्गम स्थल होने के कारण इसकी विशेष धार्मिक पहचान है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

जिला बदर आदतन अपराधी को किया 15 लीटर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

जिला बदर आरोपियों एवं अवैध गतिविधियों में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मोतीनगर पुलिस ने एक जिला बदर आदतन अपराधी को 15 लीटर अमानक शराब के साथ गिरफ्तार किया है। मोतीनगर क्षेत्र निवासी नीरज कोरी पिता पुरुषोत्तम कोरी, उम्र 35 वर्ष, निवासी काकागंज वार्ड विगत कई वर्षों से मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी, घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़, जातिगत अपमान तथा अवैध शराब रखने जैसी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। उसकी लगातार आपराधिक गतिविधियों को दृष्टिगत रखते हुए उसके विरुद्ध जिला बदर की कार्यवाही कर प्रकरण जिला दण्डाधिकारी सागर के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। जिला दण्डाधिकारी द्वारा आदेश पारित कर उसे 6 माह की अवधि के लिए सागर एवं समीपवर्ती जिलों की सीमाओं से निष्कासित किया गया था। पुलिस को

मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी नीरज कोरी काकागंज मरघटा क्षेत्र में मौजूद है। सूचना पर थाना मोतीनगर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस को आरोपी एक प्लास्टिक के कुप्पे में संदिग्ध तरल पदार्थ लेकर मिला। कुप्पे की जांच करने पर उसमें लगभग 15 लीटर मटमैले रंग का दुर्गंधयुक्त तरल पदार्थ पाया गया, जो प्रथम दृष्टया अमानक शराब प्रतीत हुआ। पूछताछ एवं जांच में यह भी पाया गया कि आरोपी जिला दण्डाधिकारी द्वारा पारित जिला बदर आदेश का उल्लंघन करते हुए प्रतिबंधित क्षेत्र में उपस्थित था। पुलिस द्वारा आरोपी से उक्त अमानक शराब जप्त कर विधिवत गिरफ्तार किया गया।

किराना दुकानों का होगा निरीक्षण, एक्सपायरी सामग्री मिलने पर होगी कार्रवाई

स्वास्थ्य से खिलवाड़... नगर में धड़ल्ले से बिक रही है एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों एक्सपायरी डेट का खाद्य सामग्री का सामान खुलेआम बेचा जा रहा है। नगर में प्रत्येक मंगलवार को साप्ताहिक बाजार लगता है, जिसमें ग्रामीण अंचलों से हजारों लोग घरेलू उपयोग का सामान खरीदने आते हैं। वर्तमान में शादी-विवाह का सीजन भी चल रहा है, जिसके चलते खाद्य सामग्री की मांग बढ़ी हुई है। इसी का लाभ उठाकर कुछ किराना व्यापारी एक्सपायरी डेट वाले उत्पादों की बिक्री कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार नगर की कई किराना दुकानों पर गरम मसाला, नमकीन, बिस्कुट, सोनपापड़ी, पेय पदार्थ सहित अन्य खाद्य सामग्री एक्सपायरी होने के बावजूद ग्राहकों को बेची जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले अनेक उपभोक्ता अशिक्षित या कम पढ़े-लिखे होने के कारण उत्पादों पर अंकित निर्माण एवं समाप्ति तिथि की जांच नहीं कर पाते हैं। कई बार

शिक्षित लोग भी जल्दबाजी में बिना एक्सपायरी डेट देखे सामान खरीद लेते हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी रहती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार एक्सपायरी खाद्य सामग्री के सेवन से फूड पॉइजनिंग, पेट संबंधी बीमारियां, एलर्जी तथा अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके बावजूद कुछ व्यापारियों द्वारा केवल आर्थिक लाभ कमाने के उद्देश्य से ऐसे उत्पादों की बिक्री जारी रखी जा रही है। उन्हें उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा की कोई चिंता नहीं दिखाई देती। नगरवासियों नगरवासी महाराज सिंह, प्रहलाद, रामकुमार का आरोप है कि दमोह जिले से खाद्य सुरक्षा विभाग के निरीक्षक समय-समय पर तेंदूखेड़ा आते तो हैं, लेकिन किसी कारणवश प्रभावी कार्रवाई नहीं करते। लोगों का कहना है कि यदि नियमित जांच अभियान चलाकर दोषी व्यापारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए तो इस समस्या पर अंकुश लगाया जा सकता है। कार्रवाई के अभाव में संबंधित व्यापारियों के हौसले बुलंद हैं और वे बिना किसी भय के एक्सपायरी सामग्री बेच रहे हैं।

तूफान और ओलावृष्टि से दर्जनों पेड़ धराशायी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में आए तेज आंधी-तूफान, ओलावृष्टि और बारिश ने जनजीवन के साथ-साथ वन संपदा को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। तेज हवाओं के कारण जंगलों में बड़ी संख्या में पेड़ उखड़ गए और कई स्थानों पर मकानों एवं निर्माणाधीन भवनों को भी क्षति पहुंची है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदा के कारण लोगों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार खकरिया कला एवं खकरिया खुर्द ग्राम में तेज तूफान के चलते लगभग 35 महुआ के पेड़ धराशायी हो गए। इसके अलावा एक निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास की दीवार गिर गई तथा कई घरों के छप्पर भी क्षतिग्रस्त हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि अचानक आई तेज आंधी ओले के कारण लोगों को संभलने का अवसर तक नहीं मिला।

नरगुँआ के पूर्व सरपंच उमेदी सिंह आदिवासी ने बताया कि मंगलवार शाम क्षेत्र में तेज आंधी और तूफान के साथ ओले गिरे, जिससे खकरिया खुर्द एवं खकरिया कला सहित आसपास के गांवों में काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर पेड़ उखड़कर गिर गए तथा ग्रामीणों की संपत्ति को भी क्षति पहुंची है। इसी प्रकार जामुन, समनापुर, तारादेही एवं आसपास के वन क्षेत्रों में भी कई भारी-भरकम वृक्ष धराशायी हो गए। ग्राम सर्रा के जंगलों में तूफान का प्रभाव सबसे अधिक देखा गया, जहां धवा और साज प्रजाति के अनेक वृक्ष जड़ों सहित उखड़ गए। ये वृक्ष गर्मी के मौसम में घने और हरे-भरे पत्तों से लदे रहते हैं, लेकिन तेज हवाओं का सामना नहीं कर सके और जमीन पर गिर पड़े। वन क्षेत्रों में जहां-जहां से तेज हवा का प्रभाव गुजरा, वहां वन संपदा को व्यापक क्षति पहुंची है। ग्रामीणों का कहना है कि गनीमत रही कि आंधी का मुख्य प्रभाव जंगलों तक सीमित रहा। यदि इतनी तेज रफ्तार से चलने वाली हवा गांवों और आबादी वाले क्षेत्रों से गुजरती, तो जनहानि और बड़े पैमाने पर संपत्ति नुकसान की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना कोतवाली नगरीय पुलिस जिला भोपाल

क्र. 14/26 08/6/26

सूचना का प्रकाशन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना कोतवाली भोपाल के गुम इन्सान क्रं. 14/2026 में गुमशुदा मनोज रायकवार पिता स्व. गुलाब चन्द्र रायकवार उम्र 38 साल निवासी म.न.33 भोईपुरा पीरगेट थाना कोतवाली भोपाल दिनांक 31/05/2026 को घर से बीना बताये कही चले जाने व घर वापस नहीं आने पर परिजनों द्वारा अपने परिवार व रिश्तेदारों में तलाश किया जानकारी नहीं मिलने पर थाना कोतवाली भोपाल में गुम इंसान क्र. 14/2026 कायम कर जांच की जा रही है। गुम सुदा का हुलिया- रंग सावला, इकहरा बदन, चैहरा लम्बा, कद करीबन 5.8 फीट, हलकी दाढी व मुंछे है जो काले रंग की फुल आस्तीन की टी शर्ट व गहरे नीले रंग की जीन्स की पेन्ट पहने है सिर पर पीले रंग की कैप लगाया है पैरो में भुरे रंग का कपड़े का जुता पहने है गुमसुदा के संबंध में कोई जानकारी मिले तो थाना कोतवाली भोपाल को मो.न. 7049106468 या मो.न.9425877561, 7049105662 पर सूचित करें।

थाना प्रभारी
थाना कोतवाली भोपाल

जी-14198/26

कार्यालय संचालक, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल

भदभदा रोड भोपाल-462003
E-mail: fdvanvnp.bpl@mp.gov.in Phone & Fax 0755-2674278

क्रमांक/भंडार/1878 भोपाल, दिनांक /04/06/26

ई-निविदा सूचना

गिद्ध संबर्धन केन्द्र केरवा में रखे गये गिद्धों के भोजन हेतु वर्ष 2026-27 में बकरा मांस के प्रदाय हेतु अधिकृत विक्रेताओं से ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज/प्रपत्र वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखे जा सकते है। निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि रु. 1000/- (एक हजार रुपये) ऑनलाइन पोर्टल पर Credit card/ Debit card/ Internet banking भुगतान कर वेबसाइट https://mptenders.gov.in क्रय किये जा सकेगे।

1. ऑनलाइन निविदा क्रय करने की तिथि 10.06.2026 Time 02:00 PM
2. Bid Submission start date 10.06.2026 Time 02:00 PM
3. Pre-Bid Meeting date 18.06.2026 Time 11:00 AM
4. Bid Submission end date 23.06.2026 Time 02:00 PM
5. Bid Opening date 21.06.2026 Time 02:00 PM

संचालक
वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल

जी-14171/26

मेट्रो एंकर

बड़ी नदी के सफाई एवं गहरीकरण कार्यों का विधायक शैलेन्द्र जैन ने किया निरीक्षण

जल संरचनाएं हमारी अमूल्य धरोहर, संरक्षण समय की आवश्यकता

सागर। दोपहर मेट्रो

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर निगम द्वारा लेहदरा नाका स्थित बड़ी नदी पर किए जा रहे सफाई एवं गहरीकरण कार्यों का निरीक्षण विधायक शैलेन्द्र कुमार जैन ने किया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, निगमायुक्त राजकुमार खत्री, इंजीनियर फोरम के पदाधिकारी एवं नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि बड़ी नदी में किसी काम को पूर्ण करने के एवज में भोपाल रोड के पास के नाले को बड़ी नदी की ओर मोड़ दिया गया था जिससे सीवर का गंदा पानी प्रवाहित होने के कारण यह जलस्रोत गंभीर रूप से प्रदूषित हो गया था। नदी की इस स्थिति को देखते हुए विधायक शैलेन्द्र कुमार जैन ने इंजीनियर फोरम एवं नगर निगम के इंजीनियरों के साथ विस्तृत चर्चा कर सीवर के पानी के प्रवेश बिंदुओं की पहचान कराई तथा

उनके स्थायी निराकरण की दिशा में कार्य कराया। परिणामस्वरूप वर्तमान में बड़ी नदी में किसी भी स्थान से गंदे पानी का प्रवाह नहीं हो रहा है। निरीक्षण के दौरान जैन ने कहा कि बड़ी नदी केवल एक जलस्रोत ही नहीं, बल्कि शहरवासियों की आस्था और श्रद्धा का प्रमुख केंद्र भी है। गणेशोत्सव एवं आदिशक्ति की आराधना के पर्व नवरात्रि के दौरान भगवान श्री गणेश एवं माता रानी की प्रतिमाओं का विसर्जन इसी नदी में किया जाता है। इसलिए इसकी स्वच्छता, पवित्रता एवं संरक्षण बनाए रखना हम सभी का नैतिक और सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान जल संरक्षण एवं पारंपरिक जलस्रोतों के पुनर्जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल है। निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने बताया कि नगर निगम द्वारा बड़ी नदी में व्यापक स्तर पर सफाई एवं गहरीकरण कार्य कराया जा रहा है, जिससे जल धारण क्षमता में वृद्धि होगी तथा वर्षा जल का बेहतर संचयन संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत शहर के विभिन्न जलस्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं और जनसहभागिता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। इस अवसर पर इंजीनियर फोरम के पदाधिकारी इंजीनियर प्रकाश चौबे, संजीव चौरसिया,राजेश मिश्रा, विवेक श्रीवास्तव, संजीव जैन, अंकित नामदेव,प्रभारी कार्यपालन यंत्री संजय तिवारी सहित नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

फुटबॉल का सबसे बड़ा त्योहार आज से

मेजबान मैक्सिको और साउथ अफ्रीका के बीच पहला मैच

लंदन, एजेंसी

फुटबॉल के सबसे बड़े इवेंट फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत शुक्रवार से होने जा रही है। भारतीय समयानुसार पहले दिन दो मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का पहला मैच मेजबान मैक्सिको और साउथ अफ्रीका के बीच मैक्सिको सिटी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला रात 12:30 बजे से शुरु होगा। दिन का दूसरा मैच साउथ कोरिया और चेक रिपब्लिक के बीच ग्वाडलाहारा स्टेडियम में होगा। यह मुकाबला सुबह 7:30 बजे से खेला जाएगा। पहले दिन खेलने वाली चारों टीमें ग्रुप-ए में मौजूद हैं।

मैच-1:मैक्सिको का पलड़ा भारी,

वर्ल्ड कप में बराबरी- दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 4 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 2 मुकाबले मैक्सिको ने जीते हैं, जबकि साउथ अफ्रीका 1 मैच जीतने में सफल रही। वहीं 1 मुकाबला ड्रॉ रहा है। FIFA वर्ल्ड कप में दोनों टीमें सिर्फ 1 बार 2010 में आमना-सामना हुईं। वह मैच 1-1 की बराबरी पर खत्म हुआ था। मैक्सिको को कप्तान एडसन अल्वारेज और अनुभवी स्ट्राइकर राउल हिमेनेज से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होंगी। वहीं साउथ अफ्रीका अफ्रीका से कप्तान रोनवेन विलियम्स और स्ट्राइकर लाइल फोस्टर और ओसविन अपोलिस की जोड़ी पर निगाहें रहेंगी।

टूर्नामेंट की सबसे बड़ी खासियतें

- पहली बार 48 टीमों का विश्व कप होगा।
- 1930 में शुरू हुए विश्व कप के इतिहास में पहली बार टीमों की संख्या 32 से बढ़ाकर 48 की गई है।
- इससे अधिक देशों को विश्व मंच पर खुद को साबित करने का मौका मिलेगा।
- इसमें रिकॉर्ड 104 मैच होंगे।
- पिछले संस्करणों में 64 मुकाबले खेले जाते थे।
- इसका मतलब है कि फुटबॉल प्रशंसकों को पहले से कहीं ज्यादा रोमांच देखने को मिलेगा।
- तीन देशों की संयुक्त मेजबानी में आयोजन होगा। इनमें अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको शामिल हैं।

मंच पर दिखेंगे वैश्विक सितारे

विश्व कप का उद्घाटन 11 जून को मैक्सिको सिटी में होगा। उद्घाटन मुकाबले से पहले रंगारंग समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें संगीत और मनोरंजन जगत की कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी। शकीरा इस समारोह का सबसे बड़ा आकर्षण होंगी। उनके अलावा बर्ना बॉय, जे बाल्विन, डैनी ओशन, बेलिंडा, लिला डाउन्स, लॉस एंजिलिस अजुलेस और माना परफॉर्म करेंगे।

दूसरे मुकाबले में साउथ कोरिया और चेक रिपब्लिक भिड़ेंगे

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का काउंटडाउन शुरू

तीन दिन बाद पाकिस्तान से महामुकाबला इतिहास रचने उतरेंगी भारत की शेरनियां

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 क ा रोमांच अब अपने चरम पर पहुंचने वाला है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम महज चार दिन बाद अपने अभियान की शुरुआत चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। 14 जून को बर्मिंघम के प्रतिष्ठित एजबेस्टन मैदान पर होने वाला यह मुकाबला करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की नजरों का केंद्र रहेगा। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में टीम इंडिया जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज कर खिताब की ओर मजबूत कदम बढ़ाना चाहेगी। भारतीय महिला टीम अब तक टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं कर सकी है। पिछले कुछ वर्षों में टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों को उनकी धरती पर हराया है। महिला प्रीमियर लीग के अनुभव और हालिया सफलताओं ने भारतीय खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाया है। ऐसे में इस बार टीम को खिताब के प्रमुख दावेदारों में गिना जा रहा है। हालांकि टूर्नामेंट से ठीक पहले दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार ने टीम की तैयारियों पर कुछ सवाल भी खड़े किए हैं। इसके बावजूद भारतीय खेमे को उम्मीद है कि बड़े मंच पर खिलाड़ी अपना

कड़ी चुनौती वाला ग्रुप, आसान नहीं होगा सफर- भारत को ग्रुप-ए में रखा गया है, जहां पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और नीदरलैंड जैसी टीमें मौजूद हैं। सेमीफाइनल में पहुंचने की राह आसान नहीं होगी क्योंकि ग्रुप में कई मजबूत प्रतिद्वंद्वी शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 21 जून को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाला मुकाबला भारत के लिए सबसे अहम साबित हो सकता है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को टी20 सीरीज में 4-1 से हराया था। ऐसे में यह मैच ग्रुप की तस्वीर बदल सकता है।

जेमिमा और श्री चरणी पर रहेंगी निगाहें

भारतीय बल्लेबाजी में स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा और कप्तान हरमनप्रीत कौर पर बड़ी जिम्मेदारी होगी, लेकिन मिडिल ऑर्डर की धुरी जेमिमा रोड्रिग्स को माना जा रहा है। इंग्लैंड की परिस्थितियों में उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है और वह टीम के लिए मैच विनर साबित हो सकती हैं। वहीं युवा स्पिनर श्री चरणी को टीम का एक्स फैक्टर माना जा रहा है। हाल के मुकाबलों में उन्होंने लगातार विकेट लेकर चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन का भरोसा जीता है। इंग्लैंड की परिस्थितियों में उनकी गेंदबाजी विरोधी बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकती है। टीम इंडिया के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। लंबे समय बाद वापसी करने वाली यास्तिका भाटिया की बल्लेबाजी लय में नजर नहीं आई है। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उनका स्ट्राइक रेट चिंता का विषय रहा। दूसरी ओर विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष का बल्ला भी हाल के मैचों में खामोश रहा है। अगर भारत को खिताब जीतना है तो इन खिलाड़ियों को बड़े मुकाबलों में योगदान देना होगा।

रिकॉर्ड के करीब स्मृति और अरुंधति

इस विश्व कप में कुछ भारतीय खिलाड़ी व्यक्तिगत उपलब्धियों के बेहद करीब हैं। स्टार ओपनर स्मृति मंधाना को महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 4500 रन पूरे करने के लिए केवल 167 रन की जरूरत है। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली दुनिया की दूसरी बल्लेबाज बन सकती हैं। वहीं तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी को अपने 50 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने के लिए सिर्फ दो विकेट चाहिए।

भारत का लीग चरण कार्यक्रम

- 14 जून: पाकिस्तान, एजबेस्टन (बर्मिंघम) - शाम 7 बजे
- 17 जून: नीदरलैंड, हेडिंग्ले (लीड्स) - शाम 7 बजे
- 21 जून: दक्षिण अफ्रीका, ओल्ड ट्रैफर्ड (मैनचेस्टर) - शाम 7 बजे
- 25 जून: बांग्लादेश, ओल्ड ट्रैफर्ड (मैनचेस्टर) - शाम 7 बजे
- 28 जून: ऑस्ट्रेलिया, लॉर्ड्स (लंदन) - शाम 7 बजे

भारतीय टीम से इस बार उम्मीदें काफी ऊंची हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि फाइनल से पहले बाहर होना टीम के लिए निराशाजनक परिणाम होगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि हरमनप्रीत कौर की सेना क्या पहली बार टी20 विश्व कप ट्रॉफी उठाकर इतिहास रच पाती है या नहीं।

कोहली के बाद भारत को एक और बड़ा झटका

हार्दिक अफगानिस्तान सीरीज से बाहर; जांघ की चोट बनी वजह

चेन्नई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज शुरू होने से पहले बड़ा झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ताजा चोट के कारण तीन मैचों की पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। पांड्या को बंगलूरू स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस आकलन के दौरान क्वाड्रिसेप्स (जांघ की मांसपेशी) में खिंचाव आ गया। हार्दिक हाल ही में आईपीएल के दौरान लगी पीठ की ऐंठन (बैक स्पाज्म) से उबर रहे थे। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने मंगलवार को बताया था कि रोहित शर्मा के साथ-साथ हार्दिक को सीओई ने खेलने की मंजूरी दे दी है, लेकिन अब यह बात सामने आ रही है कि फिटनेस टेस्ट के दौरान नई चोट सामने आने से उनकी वापसी टल गई। जानकारी के मुताबिक, हार्दिक ने फिटनेस आकलन के दौरान पूरे 10 ओवर गेंदबाजी की थी। हालांकि, इसी दौरान उनकी क्वाड्रिसेप्स मांसपेशी में खिंचाव आ गया। बताया जा रहा है कि यह चोट इतनी गंभीर है कि उन्हें कम से कम तीन सप्ताह तक रिहैब प्रक्रिया से गुजरना होगा। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, रिकवरी के लिए लगभग तीन सप्ताह का समय चाहिए।

शनिवार से शुरू होगी सीरीज

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 14 जून से धर्मशाला में शुरू होगी। इसके बाद दूसरा मुकाबला 17 जून को लखनऊ और तीसरा मैच 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा। हार्दिक के बाहर होने से टीम इंडिया के संतुलन पर असर पड़ सकता है क्योंकि वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वनडे योजनाओं का अहम हिस्सा हैं हार्दिक पांड्या को हाल ही में भारतीय टी20 टीम से आराम दिया गया था ताकि वह वनडे क्रिकेट पर अधिक ध्यान दे सकें। चयन समिति और टीम प्रबंधन की नजर 2027 वनडे विश्व कप पर है और हार्दिक को उस योजना का अहम हिस्सा माना जा रहा है। 2023 वनडे विश्व कप के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ मैच में लगी टखने की चोट के बाद टीम इंडिया को संतुलन बनाने में काफी परेशानी हुई थी।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम की सर्जरी, बाबर-शाहीन-सलमान बाहर, साहिबजादा फरहान बने नए कप्तान

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 2026 एशियन गेम्स के लिए अपनी पुरुष क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। इस चयन ने क्रिकेट जगत को चौंका दिया है, क्योंकि टीम से कई बड़े और अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर रखा गया है। जापान के आइची प्रीफेक्चर में 13 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियन गेम्स के लिए पाकिस्तान ने युवा खिलाड़ियों पर दांव खेला है। टीम की कप्तानी साहिबजादा फरहान को सौंपी गई है, जबकि अब्दुल समद को उपकप्तान बनाया गया है। सबसे अधिक चर्चा इस बात की हो रही है कि पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम, तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और पूर्व टी20 कप्तान सलमान अली आगा को टीम में जगह नहीं मिली है। ये तीनों खिलाड़ी हाल ही में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान की ओर से मैदान में उतरे थे। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि चयनकर्ताओं ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए टीम में बदलाव का बड़ा फैसला लिया है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के नेतृत्व में लिए गए इस निर्णय को पाकिस्तान क्रिकेट में नई पीढ़ी को मौका देने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

माधुरी दीक्षित कैसे बनीं तेजाब की मोहिनी वर्षों बाद निर्देशक एन. चंद्रा ने किया खुलासा

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित को आज भी फिल्म तेजाब की मोहिनी के रूप में याद किया जाता है। यह वही फिल्म थी जिसने माधुरी दीक्षित के करियर को नई ऊंचाई दी और उन्हें हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया, लेकिन कम लोग ही जानते हैं कि इस यादगार किरदार के लिए माधुरी का चयन कैसे हुआ था। अब फिल्म के निर्देशक एन. चंद्रा ने इस राज से पर्दा उठाया है और बताया है कि आखिर क्यों इस फिल्म के लिए माधुरी ही उनकी पहली और आखिरी पसंद थीं। डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 के एक एपिसोड में एन. चंद्रा ने उस दौर की यादें साझा कीं। उन्होंने कहा, जब मैंने पहली बार माधुरी दीक्षित को

देखा था, तभी मुझे लगा था कि इस लड़की में कुछ अलग बात है। उस समय मैंने कई फिल्में एडिट की थीं। इसी दौरान मुझे एक फिल्म के सेट पर जाने का मौका मिला, जहां पहली बार मेरी मुलाकात माधुरी दीक्षित से हुई थी। एन. चंद्रा ने कहा, उस समय बजरंगी नाम की एक फिल्म बन रही थी और मैं उसकी एडिटिंग कर रहा था। फिल्म के सेट पर पहुंचने के बाद किसी ने मेरी मुलाकात माधुरी से करवाई। उस समय माधुरी अपने करियर के शुरुआती दौर में थीं। पहली मुलाकात में ही मुझे महसूस हुआ कि इनमें कुछ खास है। शायद उसी पल मेरे मन में यह बात बैठ गई थी कि भविष्य में अगर मौका मिला तो मैं माधुरी के साथ जरूर काम करूंगा।

मेरे दिमाग में केवल एक ही नाम था

निर्देशक ने आगे कहा, जब मैंने तेजाब की कहानी पर काम शुरू किया और मोहिनी के किरदार के बारे में सोचा, तब मेरे दिमाग में केवल एक ही नाम था और वह नाम था माधुरी दीक्षित। इस भूमिका के लिए मेरी पहली पसंद भी माधुरी थीं और आखिरी पसंद भी। मैंने किसी दूसरी अभिनेत्री के बारे में कभी नहीं सोचा, क्योंकि मुझे पूरा भरोसा था कि इस किरदार को वही सबसे बेहतर तरीके से निभा सकती हैं। एन. चंद्रा ने कहा, कई बार किस्मत भी बड़ी भूमिका निभाती है। उस समय फिल्म के हीरो अनिल कपूर थे और अनिल कपूर के सेक्रेटरी राकेश नाथ ही माधुरी दीक्षित के भी सेक्रेटरी थे, जिसके चलते दोनों कलाकारों की तारीखें और अन्य जरूरी बातें तय करना आसान हो गया।

मेट्रो बाजार

मई में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में 22,908 करोड़ रुपए का निवेश, फ्लेक्सी-कैप फंड रहे सबसे आगे

मुंबई। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मई में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेशकों की मजबूत रुचि जारी रही, जिससे इसमें 22,907.77 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश (नेट इनफ्लो) दर्ज किया गया।

म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंधित परिसंपत्ति (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट-एयूएम) बढ़कर 81.58 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गईं। वहीं, कुल फोलियो की संख्या बढ़कर 27.65 करोड़ हो गई, जो वित्तीय बाजारों में खुदरा निवेशकों की लगातार बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है। श्रेणीवार आंकड़ों के अनुसार, फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सबसे अधिक 5,175.54 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया। इसके बाद स्मॉल-कैप फंड्स में 4,945.57 करोड़ रुपए और मिड-कैप फंड्स में 4,385.06 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया। फ्लेक्सी-कैप, स्मॉल-कैप और मिड-कैप फंड्स में कुल मिलाकर 14,500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आया, जो मई में इक्विटी फंड्स में हुए कुल निवेश का 63 प्रतिशत से ज्यादा है। इससे पता चलता है कि निवेशक विविधीकृत (डायवर्सिफाइड) और व्यापक बाजार आधारित निवेश रणनीतियों को प्राथमिकता दे रहे हैं। वहीं, लार्ज एंड मिड-कैप फंड्स में 3,278.22 करोड़ रुपए और मल्टी-कैप फंड्स में 2,291.01 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ।

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, 1 प्रतिशत तक महंगा हुआ क्रूड

नई दिल्ली। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार के सत्र में तेजी देखने को मिली। अमेरिका द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमला किए जाने के बाद ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने की आशंकाएं बढ़ गईं, जिससे तेल की कीमतों में 1 प्रतिशत तक का उछाल आया। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 1 प्रतिशत बढ़कर 93.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ करीब 90 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता नजर आया। तेल की कीमतों में यह तेजी तब आई जब अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के एयर डिफेंस, ग्राउंड कंट्रोल और निगरानी रडार ठिकानों पर ÷आत्मरक्षा÷ के तहत हमले किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, यह कार्रवाई क्षेत्र में अमेरिकी सेना के अपाचे हेलीकॉप्टर को कथित रूप से मार गिराए जाने की घटना के जवाब में की गई। हालांकि, ईरान ने इस घटना में अपनी किसी भी भूमिका से इनकार किया और कहा कि हेलीकॉप्टर दुर्घटना एक हादसा थी।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बाजारों को उम्मीद थी कि पश्चिम एशिया में तनाव धीरे-धीरे कम होगा। लेकिन अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। निवेशकों और कारोबारियों का भरोसा भी कमजोर पड़ा, जिसके चलते वैश्विक शेयर बाजारों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका के कच्चे तेल के भंडार में पिछले सप्ताह लगातार आठवीं बार कमी दर्ज की गई है, जिससे भी तेल की कीमतों को समर्थन मिला है।

'अल्फा' का धमाकेदार आगाज, आलिया भट्ट बनीं स्पाई यूनिवर्स की सबसे खतरनाक एजेंट

मुंबई। यश राज फिल्म्स के बहुचर्चित स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म ।सची का पहला टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। करीब एक मिनट 55 सेकेंड के इस टीजर में एक्शन, रहस्य, भावनाएं और बड़े मिशन की झलक देखने को मिलती है। खास बात यह है कि यह स्पाई यूनिवर्स की पहली ऐसी फिल्म है, जिसकी कहानी एक महिला जासूस के इर्द-गिर्द बुनी गई है। टीजर में आलिया भट्ट का नया और दमदार अवतार दर्शकों को खासा प्रभावित कर रहा है।

टीजर की शुरुआत एक आलीशान रेस्तरां के दृश्य से होती है, जहां बॉबी देओल और आलिया भट्ट पिता-पुत्री के रूप में नजर आते हैं। मौका आलिया के 18वें जन्मदिन का होता है। शुरुआत में यह एक सामान्य पारिवारिक जश्न जैसा दिखाई देता है, लेकिन कुछ ही क्षणों में कहानी रोमांचक मोड़ ले लेती है। बॉबी अपनी बेटी को एक कार्ड सौंपते हैं, जिस पर एक कमरे का नंबर लिखा होता है। जब आलिया इसके बारे में पूछती हैं, तब खुलासा होता है कि यह कोई उपहार नहीं, बल्कि उनका पहला गुप्त मिशन है।

इसके बाद टीजर पूरी तरह एक्शन और थ्रिल से भर जाता है। बॉबी देओल अपनी बेटी को बताते हैं कि जिस मकसद के लिए उन्हें बचपन से तैयार किया गया था, अब उसे पूरा करने का समय आ चुका है। इसके साथ ही आलिया का खतरनाक और साहसी रूप सामने आता है। वह दुश्मनों से भिड़ती हैं, चाकू से हमला करती हैं और कई हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस में नजर आती हैं। उनके एक्शन स्टंट और आत्मविश्वास ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

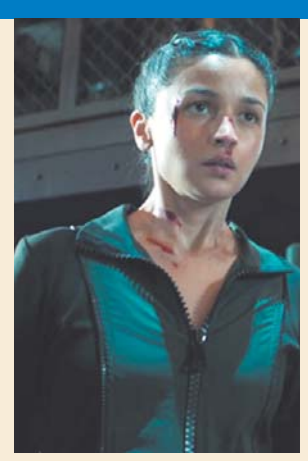

न्यूज विंडो

आईडीएफसी बैंक मैनेजर की कार के अंदर मिली लाश

श्रीगंगानगर। राजस्थान के सीमावर्ती जिले श्रीगंगानगर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक निजी बैंक के मैनेजर का शव उनकी ही कार के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक पिछले करीब 24 घंटे से लापता थे और परिजन उनकी तलाश में जुटे हुए थे। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है, जबकि पुलिस मौत के कारणों का पता लगाने में जुट गई है। मृतक की पहचान 32 वर्षीय मुकेश सुथार के रूप में हुई है। मुकेश सुथार पुत्र बलराम सुथार, रायसिंहनगर क्षेत्र के 42 एनपी गांव के रहने वाले थे। वह वर्तमान में श्रीगंगानगर के मीरा चौक स्थित आईडीएफसी बैंक शाखा में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। परिवार के अनुसार, मुकेश बुधवार दोपहर के बाद अचानक संपर्क से बाहर हो गए थे। मुकेश का मोबाइल फोन लगातार बंद आ रहा था। परिवार और परिचितों ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

हांसी में जिम संचालक की हत्या, ताबड़तोड़ 10 राउंड फायर किए

हांसी/हरियाणा। हांसी के फव्वारा चौक के पास गुरुवार सुबह करीब 5:30 बजे एक सनसनीखेज वारदात में बाइक सवार हमलावरों ने जिम संचालक की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी। हमलावरों ने महज 5 सेकंड के भीतर करीब 10 राउंड फायर किए, जिनमें कई गोलियां जिम संचालक की पीठ और सिर में लगीं। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पूरी वारदात का वीडियो भी सामने आया है। घटना के समय जिम संचालक कपिल चौक के पास दुकानों के रैंप पर युवक-युवतियों को सुबह की एक्सरसाइज करवा रहा था। इसी दौरान हेलमेट पहने बाइक सवार बदमाश वहां पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग कर फरार हो गए। फायरिंग के दौरान वार्म-अप कर रही शिखा नामक युवती भी छर्रे लगने से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए हिसार के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

गृहिणी भी करती हैं राष्ट्र निर्माण, हर महीने 30 हजार की हकदार: SC

नई दिल्ली। सड़क हादसे में एक शख्स की पत्नी की मौत पर सुप्रीम कोर्ट (एससी) ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि गृहिणी भी राष्ट्र निर्माण में भागीदार होती हैं। कोर्ट ने कहा कि घरेलू सेवाओं के एवज में उनको कम से कम 30 हजार रुपए देना तो बनता ही है। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में गृहिणियों के घरेलू कार्य और परिवार की देखभाल को राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान बताते हुए कहा है कि सड़क दुर्घटना मामलों में उनकी मृत्यु या स्थायी अक्षमता की स्थिति में परिवार को होने वाली घरेलू सेवाओं की क्षति को मुआवजे की एक अलग और स्वतंत्र कैटेगरी के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। अदालत ने इस नुकसान का न्यूनतम मूल्य 30,000 रुपये प्रतिमाह निर्धारित किया है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले की सुनवाई के दौरान यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि गृहिणियों का योगदान केवल घर तक सीमित नहीं है, बल्कि वे आने वाली पीढ़ियों के निर्माण और समाज के विकास में अहम भूमिका निभाती हैं। इसलिए उन्हें नेशन बिल्डर यानी राष्ट्र निर्माता के रूप में उचित पहचान मिलनी चाहिए।

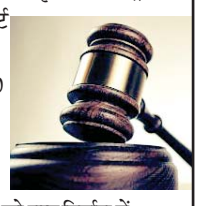

हिमाचल : नगर निकाय चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट गई सरकार

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश सरकार ने नगर निकायों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव में विधायकों के वोट देने के अधिकार की बहाली के लिए सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर कर दी है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायाधीश अतुल एस. चांदुरकर की पीठ के समक्ष यह मामला 15 जून के लिए सूचीबद्ध किया गया है। राज्य सरकार ने हिमाचल हाईकोर्ट की ओर से 4 जून को पारित अंतरिम आदेश को चुनौती दी है। दूसरी ओर, पार्षदों की ओर से भी शीर्ष अदालत में केविएट पिटीशन दाखिल की गई है। हिमाचल हाईकोर्ट ने 4 जून को राज्य सरकार के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसके तहत स्थानीय विधायक को नगर निकायों यानी नगर निगम, नगर परिषद या नगर पंचायत चुनाव में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव में बराबर पार्षद होने पर वोट डालने का अधिकार दिया था।

हिमाचल में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टर्बेंस : शिमला समेत कई जिलों में अलर्ट जारी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर मौसम बदलने वाला है। शिमला मौसम कार्यालय ने भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, 11 जून से पश्चिमी विक्षोभ यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से 15 जून तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश, गरज-चमक के साथ आंधी और ओले पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों में गुरुवार और शुक्रवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, ओले गिरने और गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने की चेतावनी दी गई है। लोगों से सतर्क रहने और खासकर खेतों व फसलों की सुरक्षा के लिए अलर्ट किया गया है। बीते 24 घंटों में राज्य के ज्यादातर इलाकों में मौसम सूखा रहा। सिर्फ कुछ जगहों पर ही बूंदाबांदी और हल्की बारिश दर्ज की गई है। मनाली में सबसे ज्यादा 12 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

शिमला में दो दिन के बाद गुरुवार को हुई बारिश, लोग इस अंदाज में दिखे।

अब प्राइवेट स्कूलों की शिक्षकों को भी मिलेगी चाइल्ड केयर लीव

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाने वाली फीमेल टीचर्स भी सरकारी स्कूलों की तरह 'चाइल्ड केयर लीव' पाने की हकदार होंगी। दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की डिवीजनल बेंच ने ये फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट के इस फैसले से दिल्ली के हजारों निजी स्कूलों में काम करने वाली महिला शिक्षकों को एक बड़ी राहत मिली है।

अदालत ने कहा कि फीमेल टीचर्स को बच्चों की देखभाल के लिए छुट्टी मिलना उनके समानता के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। कोर्ट ने आदेश में बताया कि कोई भी मान्यता प्राप्त निजी संस्थान अपनी महिला कर्मचारियों को उनके बच्चों की देखभाल, पढ़ाई या बीमारी से जुड़े इस जरूरी छुट्टियों से वंचित नहीं कर सकता। अदालत ने अपने फैसले का आधार दिल्ली स्कूल शिक्षा नियमों को बनाया है। नियम 111 के तहत ये प्रावधान है कि प्राइवेट स्कूलों के स्टाफ को भी सरकारी स्टाफ की तरह ही छुट्टियों की सुविधाएं मिलनी चाहिए।

ममता बनर्जी की पार्टी पर गहराते राजनीतिक संकट के साथ बढ़ती बगावत

टीएमसी में भूचाल: इस्तीफों की झड़ी के बीच बाबुल सुप्रियो ने खोले पत्ते

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) इन दिनों गंभीर अंदरूनी संकट से जूझ रही है। राज्यसभा सांसदों के लगातार इस्तीफों और नेताओं की नाराजगी ने पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इसी बीच सांसद बाबुल सुप्रियो ने राजनीतिक अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट किया कि वह अपने वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व और पार्टी के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि जनता के जनादेश का सम्मान करते हुए विकास कार्यों को प्राथमिकता देना उनकी जिम्मेदारी है। सुप्रियो ने एमपीएलएडी फंड को जनता का पैसा बताते हुए कहा कि इसका अधिकतम उपयोग राज्य के विकास में किया जाएगा। दूसरी ओर, राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक के इस्तीफे ने टीएमसी को बड़ा झटका दिया है। इससे पहले सुखेंदु शेखर रॉय और सुष्मिता देव भी इस्तीफा दे चुके हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि आने वाले दिनों में कुछ और सांसद भी पार्टी छोड़ सकते हैं, जिससे संसद और राज्य की राजनीति में टीएमसी की स्थिति और कमजोर पड़ सकती है।

बाबुल सुप्रियो बोले...

राज्यसभा सांसद बाबुल सुप्रियो ने सोशल मीडिया पर जारी लंबे संदेश में कहा कि वह लगातार यह सवाल सुन-सुनकर थक चुके हैं कि आखिर वह किस खेमे में हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपनी वर्तमान पार्टी और नेतृत्व के साथ पूरी निष्ठा से जुड़े हुए हैं। सुप्रियो ने कहा कि लोकतंत्र में जनता के जनादेश का सम्मान सबसे महत्वपूर्ण है और विकास कार्य राजनीतिक मतभेदों से ऊपर होने चाहिए। उन्होंने सांसद निधि के उपयोग को लेकर भी अपनी बात रखी और कहा कि यह जनता का धन है, जिसका उपयोग राज्य सरकार और प्रशासन के माध्यम से जनहित में किया जाना चाहिए। उन्होंने भ्रष्टाचार पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि जिन्होंने जनता का पैसा लूटा है, उन्हें कानून के अनुसार सजा मिलनी चाहिए।

टीएमसी को लग रहे झटके

तृणमूल कांग्रेस को हाल के दिनों में एक के बाद एक राजनीतिक झटके लगे हैं। राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक के इस्तीफे से पहले वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर रॉय और सुष्मिता देव भी पार्टी और संसद की सदस्यता छोड़ चुके हैं। इन इस्तीफों के बाद राज्यसभा में टीएमसी की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। विपक्ष इन घटनाओं को पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष और नेतृत्व संकट का संकेत मान रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि लगातार हो रहे इस्तीफे पार्टी संगठन पर दबाव बढ़ा रहे हैं।

आगे क्या, क्यों बढ़ी चिंता

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार टीएमसी के भीतर असंतोष का दौर अभी खत्म नहीं हुआ है। चर्चाएं हैं कि आने वाले दिनों में कुछ और सांसद तथा नेता पार्टी से दूरी बना सकते हैं। विधानसभा और संसद दोनों स्तरों पर बागी स्वर खुलकर सामने आने लगे हैं। बागी नेताओं का दावा है कि उनके साथ समर्थन लगातार बढ़ रहा है, जबकि पार्टी नेतृत्व इसे सामान्य राजनीतिक घटनाक्रम बता रहा है। यदि इस्तीफों और बगावत का सिलसिला जारी रहता है तो इसका असर न केवल संसद में पार्टी की ताकत पर पड़ेगा, बल्कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में भी नए समीकरण बन सकते हैं।

जे. मोहन नायक की संपत्ति देखते ही रहे ACB अफसर

नोटों की गड्डियां, सोने का अंबार, 6,000 की सैलरी से 200 करोड़ का साम्राज्य

हैदराबाद, एजेंसी। कभी महज छह हजार रुपये की मामूली सरकारी सैलरी से अपने कॅरियर की शुरुआत करने वाले तेलंगाना के रोड एंड बिल्डिंग्स विभाग के प्रमुख जे. मोहन नायक आज बर्बादी के कगार पर खड़े हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा उनके ठिकानों पर की गई ताबड़तोड़ छापेमारी में मोहन नायक के एक विशाल और काले साम्राज्य का पर्दाफाश हुआ है। जांच अधिकारियों के मुताबिक, नायक ने ठेकेदारों से मिलने वाले मोटे कमीशन और टेंडर फिक्सिंग के जरिए करीब 200 करोड़ रुपए की अकूत अवैध संपत्ति खड़ी कर ली थी, जो उनकी वैध कमाई से कहीं ज्यादा है।

छापे में सोने के बिस्कुट और लग्जरी विला

एसीबी की टीमों ने जब मोहन नायक के विभिन्न ठिकानों पर एक साथ दबिश दी, तो वहां का नजारा देखकर अधिकारियों की आंखें फटी की फटी रह गईं। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में कैश, चमचमाते सोने के बिस्कुट, बेशकीमती आभूषण और कई लग्जरी विला के मालिकाना हक से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि मोहन नायक ने सरकारी टेंडरों को मनमाने ढंग से चुनिंदा ठेकेदारों को आवंटित करने के बदले में यह भारी-भरकम रिश्वत और कीमती धातुएं वसूली थीं।

मुआवजे के लिए कोई दबाव नहीं... AI 171 प्लेन क्रैश पर विजय रूपाणी की बेटी के दावे पर एयरलाइन का जवाब

नई दिल्ली। एयर इंडिया के विमान AI-171 हादसे को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की बेटी राधिका मिश्रा ने टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को एक भावुक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने हादसे के शिकार हुए परिवारों की तरफ से पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करते हुए टाटा समूह की मुआवजा नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इस मामले में अब एयर इंडिया ने भी अपनी सफाई पेश की है।

दरअसल, राधिका मिश्रा ने अपने पत्र में लिखा था कि वे यह चिट्ठी किसी गुस्से में नहीं, बल्कि गहरे दुख और उन परिवारों की चिंता में लिख रही हैं, जिनकी जिंदगी एआई-171 त्रासदी के बाद हमेशा के लिए बदल गई। उन्होंने टाटा संस के चेयरमैन से सीधे तौर पर पूछा, 'आधिकारिक जांच रिपोर्ट आने और हादसे से जुड़े तथ्यों के पूरी तरह सामने आने से पहले ही पीड़ित परिवारों से फुल एंड फाइनल सेटलमेंट डॉक्यूमेंट्स पर साइन करने के लिए क्यों कहा जा रहा है? सच सामने आने से पहले ही अंतिम रिलीज दस्तावेज हासिल करने की यह कोशिश क्यों हो रही है?'

ग्रेटर नोएडा: टोल प्लाजा पर हूटर बजाकर तोड़ा बैरियर, कर्मचारी को अधमरा होने तक पीटा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र के लुहारली टोल प्लाजा पर बुधवार देर रात जमकर हंगामा देखने को मिला। दबंगों ने हूटर बजाते हुए बूम बैरियर तोड़कर जबरन एक दर्जन गाड़ियां निकालीं। बिना टोल टैक्स दिए गाड़ियों को निकालने से रोकने और बूम बैरियर दोबारा लगाने पर आरोपियों ने टोल कर्मचारियों के साथ हाथापाई और मारपीट की। बीच-बचाव करने आए टोल कर्मी लोकमान सिंह पर ईंट-पत्थरों से हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया। पुलिस ने टोल प्लाजा की शिकायत और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मुकदमा दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। बुधवार की रात लुहारली टोल प्लाजा पर अचानक गाड़ियों का एक काफिला पहुंचा। इन गाड़ियों में सवार युवक खिड़कियों से बाहर लटके हुए थे और लगातार हूटर बजा रहे थे। जब टोल कर्मियों ने नियमों के मुताबिक गाड़ियां रोकने की कोशिश की, तो दबंगों ने सीधे गाड़ियों से बूम बैरियर को ही तोड़ दिया।

मेट्रो एंकर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सुनाया फैसला

बालिग होने पर पीड़िता ने दोषी से रचाई शादी, पति को किया बरी

नई दिल्ली, एजेंसी

संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पोक्सो एक्ट के तहत दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति की सजा रद कर दी। कोर्ट ने पाया कि पीड़िता ने बालिग होने के बाद उससे शादी कर ली। संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार देता है कि वह अपने पास लंबित किसी भी मामले में पूरा न्याय करने के लिए जरूरी कोई भी आदेश दे सके।

पीड़िता जब 12वीं में पढ़ रही थी, तब उसे उस शख्स से प्यार हो गया था। हालांकि, उसने शादी से इंकार कर दिया, जिसके बाद पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई। नाबालिग के साथ शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में उसे पोक्सो एक्ट के तहत 10 साल की सजा सुनाई गई। बाद में महिला ने किसी और से शादी कर ली, लेकिन पिछले रिश्ते के बारे में पता चलने के बाद उसने पीड़िता को छोड़ दिया।

जमानत पर बाहर आने के बाद दोषी ठहराए गए शख्स ने उसके साथ सुलह कर ली और दोनों ने शादी करके साथ रहना शुरू कर दिया। इसके बाद महिला ने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर कर पोक्सो एक्स के तहत अपने पति की सजा को रद करने की मांग की।

हालांकि, हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद दोनों सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। शीर्ष अदालत के न्यायाधीश जेके माहेश्वरी और अतुल एस. चंदुरकर की दो सदस्यीय खंडपीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अपील करने वाले और पीड़ित पति-पत्नी के तौर पर समाज में शांति से रहने के लिए स्वतंत्र हैं। खंडपीठ ने कहा, मामले के गुण-दोष पर जाए बिना और खास तथ्यों को देखते हुए, हमें यह उचित लगता है कि हम संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी व्यापक शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए अपीलकर्ता की दोषसिद्धि और सजा के फैसले को रद करें।

हाई कोर्ट भवन भुगतान मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, छत्तीसगढ़ सरकार को नोटिस

नई दिल्ली/रायपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट भवन निर्माण से जुड़े करोड़ों रुपए के भुगतान मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के खिलाफ नाराजगी जताते हुए नोटिस जारी किया है और स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि याचिकाकर्ता को तीन महीने के भीतर पूरा भुगतान किया जाए। अदालत ने चेतावनी भी दी है कि यदि तय समयसीमा में भुगतान नहीं किया गया तो राज्य सरकार को बकाया राशि पर 12 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज देना होगा। मामला छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट की नई बिल्डिंग के निर्माण कार्य से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ठेकेदार का दावा है कि निर्माण कार्य काफी पहले पूरा हो चुका है। भुगतान के लिए आवश्यक सभी औपचारिकताएं भी पूरी की जा चुकी हैं। यहां तक कि हाई कोर्ट की ओर से भुगतान संबंधी मंजूरी और क्लियरेंस प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया गया है। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा भुगतान नहीं किया जा रहा, जिससे ठेकेदार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564